RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 106 ● भिलाई, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कार पर 80, ट्रक पर 700, इस राज्य में बाहरी वाहनों की एंट्री पर लगेगा 'ग्रीन सेस', दिसंबर से होगा लागू

नई दिल्ली। उत्तराखंड की सैर की योजना बना रहे लोग ध्यान दें। दिसंबर 2025 से राज्य में प्रवेश करने वाले दूसरे राज्यों के वाहनों को ग्रीन सेस देना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है, जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि बाहरी वाहनों पर राज्य में एंट्री के समय यह शुल्क लागू होगा। परिवहन विभाग के अपर आयुक्त एस.के. सिंह ने बताया कि दिसंबर से राज्य की सीमाओं पर प्रवेश करते ही बाहरी वाहनों से ग्रीन सेस वसूल किया जाएगा। वाहनों पर लगे फास्टैग से यह शुल्क ऑटोमैटिक कट जाएगा, वहीं सीमा क्षेत्रों पर लगाए गए 16 ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशनकैमरे इस प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। गढ़वाल और कुमाऊं मंडल में कुल्हाल, आशारोड़ी, नारसन, चिड़ियापुर, खटीमा, काशीपुर, जसपुर और रुद्रपुर जैसे प्रमुख बॉर्डर पॉइंट्स पर ये कैमरे लगाए गए हैं।

डॉक्टर आत्महत्या मामला : मुख्य आरोपी सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के सातारा में महिला डॉक्टर सुसाइड केस में मुख्य आरोपी निलंबित पुलिस उपनिरीक्षक गोपाल बदने को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी बदने ने सतारा पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। इस मामले में यह दूसरी गिरफ्तारी है। इससे पहले पुलिस ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर और सह आरोपी प्रशांत बांकर को गिरफ्तार किया था। बता दें कि सातारा जिले में 28 वर्षीय महिला डॉक्टर का शव गुरुवार रात एक होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला पाया गया था। मृतका बीड जिले की रहने वाली और फलटण के एक सरकारी अस्पताल में तैनात थी। मरने से पहले महिला डॉक्टर ने अपनी हथेली पर सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने आरोप लगाया है कि सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।

आगरा में तेज रफ्तार टाटा नेक्सन कार ने कई लोगों को कुचला

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा के थाना न्यू आगरा क्षेत्र के नगला पूरी में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित टाटा नेक्सन कार ने घर के बाहर बैठे लोगों को कुचल दिया, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, नगला पूरी में एक परिवार में गुरुवार को एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। शुक्रवार को मृतक के परिजन और मातमपुरसी के लिए आए कुछ लोग घर के बाहर बैठे थे। रात करीब 10 बजे एक तेज रफ्तार टाटा नेक्सन कार अनियंत्रित होकर सीधे इन लोगों पर चढ़ गई। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग बुरी तरह घायल हो गए। मृतकों की पहचान अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

बिहार में सफल संचालन किया गया

चुनाव आयोग का एलान-दूसरे चरण में 12 राज्यों में होगा एसआईआर

नयी दिल्ली/ एजेंसी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद शुरू होगी. दूसरे चरण में छत्तीसगलढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में एसआईआर कराया जाएगा. इनमें तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव संभावित हैं. कुमार ने स्पष्ट किया कि असम में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की घोषणा अलग से की जाएगी. असम में भी अगले साल विधानसभा चुनाव संभावित है. मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मौजूदा एसआईआर स्वतंत्रता के बाद से ऐसी नौवीं कवायद है और पिछला एसआईआर 21 वर्ष पहले 2002-04 में हुआ था. उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई और इसको लेकर कोई भी अपील नहीं आई जो इस कवायद की सबसे बड़ी खूबी रही. कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, दूसरा चरण 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चलाया जाएगा. एसआईआर यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी योग्य मतदाता का नाम छूट न जाए और किसी भी अयोग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो. उन्होंने आगे कहा, एसआईआर के दूसरे चरण में 51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे. गणना प्रक्रिया चार नवंबर से शुरू होगी, जबकि मसौदा मतदाता सूची नौ दिसंबर को और अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी को प्रकाशित की जाएगी. बिहार में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम पूरा हो चुका है, जहां लगभग 7.42 करोड़ मतदाताओं की अंतिम सूची बीते 30 सितंबर को प्रकाशित की गई थी. राज्य में मतदान दो चरणों में होगा छह नवंबर और 11 नवंबर को होगा तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी. आयोग एसआईआर कराने की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ पहले ही दो बैठकें कर चुका है. कई सीईओ ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद की मतदाता सूचियां अपनी वेबसाइटों पर डाल दी हैं. दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम गहन पुनरीक्षण हुआ था. उत्तराखंड में अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है. राज्यों में अंतिम एसआईआर उसी तरह से 'कट-ऑफ' तिथि के रूप में काम करेगी जैसे बिहार की वर्ष 2003 की मतदाता सूची का उपयोग चुनाव आयोग ने गहन पुनरीक्षण के लिए किया था. अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची का अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच था और उन्होंने अपने-अपने राज्यों में हुए अंतिम एसआईआर के अनुसार वर्तमान मतदाताओं का मानचित्रण लगभग पूरा कर लिया है. एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य अवैध विदेशी प्रवासियों की जांच करके उनका नाम मतदाता सूची से बाहर करना है.

आज रात 12 बजे फ्रीज से एसआईआर वाले राज्यों में वोटर लिस्ट होंगे फ्रीज

मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार, 'जिन राज्यों में एसआईआर किया जाएगा, उन सभी राज्यों की मतदाता सूचियां आज रात 12 बजे फ्रीज कर दी जाएंगी। उस सूची के सभी मतदाताओं को बीएलओ की तरफसे विशिष्ट गणना प्रपत्र दिए जाएंगे। इन गणना प्रपत्रों में वर्तमान मतदाता सूची के सभी आवश्यक विवरण होंगे। बीएलओ की तरफसे मौजूदा मतदाताओं को प्रपत्र वितरित करने के बाद, जिन सभी के नाम गणना प्रपत्रों में हैं, वे यह मिलान करने का प्रयास करेंगे कि क्या उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था। यदि हां, तो उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

बता दें कि देश के पांच राज्यों में 2026 में इन राज्यों में होने है विधानसभा चुनाव

बता दें कि देश के पांच राज्यों में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। हालांकि, जिन राज्यों में इस समय स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां फिलहाल यह प्रक्रिया नहीं होगी, क्योंकि स्थानीय स्तर का प्रशासन चुनावी कामकाज में व्यस्त रहेगा। हालांकि, अभी तक पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में 10 से 15 राज्य शामिल होंगे। इनमें ऐसे राज्य होंगे, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुडुचेरी शामिल हैं।

आवारा कुत्तों पर अधिकतर राज्यों-यूटी ने नहीं दिए हलफनामे

सुप्रीम कोर्ट का मुख्य सचिवों को पेश होने का आदेश दिए

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवारा कुत्तों के मामले स्वत: संज्ञान वाली याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया। दरअसल, कोर्ट ने पाया कि आवारा कुत्तों की समस्या पर नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अधिकतर राज्यों ने अब तक हलफनामे नहीं दायर किए हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य सचिवों को पेशी का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों- जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की विशेष बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि अब तक सिर्फ दिल्ली महानगपालिका (एमसीडी), पश्चिम बंगाल और तेलंगाना ने ही आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर हलफनामे दाखिल किए हैं। बता दें कि 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने जब इस मामले पर सुनवाई की थी, तब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हलफनामे दाखिल करने के लिए कहा गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने 22 अगस्त को आवारा कुत्तों के मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की सीमाओं से आगे बढ़ाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया था। अपने 22 अगस्त के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर ने आवारा कुत्तों को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे। अदालत ने कुत्तों को नसबंदी और दवा देने के बाद छोड़ने का आदेश दिया था।

बेमेतरा में रईसजादे की बेकाबू कार का कहर, पांच को रौंदा...तीन की मौत

बेमेतरा। देर रात छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में रईसजादे की रफ्तार का कहर देखने को मिला है। आरोपी चालक ने तीन लोगों को अपने वाहन से रौंद दिया। इस घटना में तीन लोगों को मौत हुई है। वही, 5 लोग गंभीर रूप से घायल है। गंभीर को देर रात रायपुर रैफर किया गया है। दूसरी ओर इस घटनाक्रम के बाद लोग भड़क उठे व बिजनेसमैन के घर को अचानक घेराव कर दिया। घर में तोड़फोड़ व वाहन को नुकसान पहुंचाया गया है। वहीं दूसरी तरफ आज सोमवार को घटना के विरोध में बेमेतरा बंद का आह्वान किया गया है। इसके अलावा मृतक के परिजनों ने देर रात शव को शहर के सिग्नल चौक में रखकर प्रदर्शन किए है।

चैतन्यानंद की जमानत याचिका

16 पीड़िताओं में से नौ से पूछताछ कर ली गयी

नयी दिल्ली। स्वयंभू बाबा स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान पुलिस ने सोमवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि उसने मामले में 16 पीड़िताओं में से नौ से पूछताछ कर ली गयी है। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित एक प्रबंधन संस्थान के पूर्व अध्यक्ष चैतन्यानंद (62) कई छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपों के चलते न्यायिक हिरासत में हैं। जांच अधिकारी (आईओ) ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीप्ति देवेश को बताया कि नौ पीड़िताओं से पूछताछ की गई है तथा सभी पीड़िताओं और आरोपी के मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। न्यायाधीश देवेश ने मामले की अगली सुनवाई 7 नवंबर के लिए निर्धारित करते हुए अभियोजन पक्ष को वस्तु स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

निकाय चुनावों में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो जाए

महाराष्ट्र में बैसाखियों की जरूरत नहीं भाजपा को

मुंबई/ एजेंसी

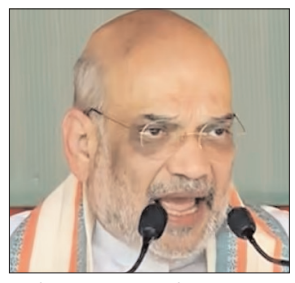

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)को महाराष्ट्र में 'बैसाखियों' की जरूरत नहीं है और वह अपनी ताकत पर चलेगी. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो जाए. शाह ने दक्षिण मुंबई में चर्चगेट स्टेशन के पास भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय की नयी इमारत की आधारशिला रखने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, हमने साबित कर दिया है कि परिवारवाद वाली पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी. काम करने की राजनीति ही देश को आगे ले जाएगी. उन्होंने कहा, मोदी जी इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं. एक साधारण चायवाले के घर में जन्मा एक बच्चा अपने समर्पण, त्याग और कड़ी मेहनत से भारत का प्रधानमंत्री बना. शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है. उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि 2014 में भाजपा ने सम्मानजनक सीट बंटवारे की मांग की थी, लेकिन गठबंधन टूट गया।. शाह ने कहा, हमने लंबे समय के बाद अपने दम पर चुनाव लड़ा और देवेंद्र फ्डणवीस के मुख्यमंत्री बनने के साथ हम सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरे.

पंचायत प्रतिनिधियों को पेंशन, 50 लाख का बीमा और 5 लाख की मदद

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव प्रचार जोर-शोर से जारी है। तमाम राजनीतिक दल रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से मतदाताओं को साधने में जुटे हैं। इसी क्रम में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई बड़ी घोषणाएं कीं। तेजस्वी यादव ने कहा कि आरजेडी की सरकार बनने पर त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के लिए पेंशन योजना लागू की जाएगी। इसके साथ ही उन्हें 50 लाख रुपये का बीमा कवर और पीडीएस वितरकों को मानदेय देने के साथ प्रति क्विंटल मार्जिन मनी बढ़ाने की भी घोषणा की।

सीजेआई गवई ने कानून मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

जस्टिस सूर्यकांत होंगे देश के अगले मुख्य न्यायाधीश:गवई

नई दिल्ली/ एजेंसी

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने केंद्रीय कानून मंत्रालय को अगले मुख्य न्यायाधीश के लिए जस्टिस सूर्यकांत के नाम का प्रस्ताव भेजा है। दरअसल, सीजेआई गवई ने 23 नवंबर को पद से मुक्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत भारत के मुख्य न्यायाधीश के बाद सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और भारतीय न्यायपालिका के प्रमुख बनने की कतार में अगले स्थान पर हैं। नियुक्ति के बाद, न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को अगले मुख्य न्यायाधीश बनेंगे और 9 फरवरी, 2027 तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर बने रहेंगे। उन्होंने प्रारंभिक पढ़ाई गांव के स्कूल से पूरी की और गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, हिसार से 1981 में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से 1984 में कानून (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की। इसी वर्ष उन्होंने हिसार के जिला न्यायालय में वकालत शुरू की और 1985 में चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की। जल्द ही उन्होंने सांविधानिक, सेवा और नागरिक मामलों में अपनी गहरी समझ और सशक्त दलीलों से पहचान बनाई। उनकी न्यायिक यात्रा सामाजिक मुद्दों से जुड़ी रही। वे सार्वजनिक संसाधनों के संरक्षण, भूमि अधिग्रहण, मुआवजे, पीड़ितों के अधिकार, आरक्षण और सांविधानिक संतुलन जैसे विषयों में संवेदनशील दृष्टिकोण रखते रहे।

केरल में चक्रवाती संकट गहराया!

पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी,2 की मौत,बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली/ एजेंसी

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने के साथ, अगले दो दिनों में केरल में बारिश की गतिविधियों में तेज़ी आने की उम्मीद है। चक्रवात के मंगलवार (28 अक्टूबर, 2025) शाम तक आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच पहुँचने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा सोमवार (27 अक्टूबर, 2025) को जारी मौसम बुलेटिन के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व और बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बना गहरा दबाव रविवार रात को चक्रवाती तूफ़ान मोन्था में बदल गया, जो चेन्नई से लगभग 640 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 710 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, पोर्ट ब्लेयर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) से 740 किलोमीटर पश्चिम, विशाखापत्तनम से 740 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और गोपालपुर (ओडिशा) से 860 किलोमीटर दक्षिण में है। केरल के कई जिलों में सोमवार को तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश हुई जिससे निचले इलाकों में जलभराव हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अलप्पुझा जिले में तेज हवाओं के कारण अर्थुनकल तट के पास एक मछुआरे की नाव पलट जाने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम पॉल देवासिया है जो अर्थुनकल का निवासी था। पुलिस ने बताया कि वह सुबह-सुबह मछली पकड़ने गया था। हालांकि अन्य मछुआरों ने उसे बचाकर पानी से बाहर निकाल लिया था लेकिन बाद में

उसकी मौत हो गई। इस बीच, अंगमाली के निकट मुकनूर में आकाशीय बिजली गिरने से पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पहचान कोखन मिस्त्री (45) के रूप में की है, जो एक कारखाने में काम करता था। उसने बताया कि मिस्त्री की सुबह करीब 8.15 बजे मुकनूर स्थित उनके किराए के घर पर बिजली गिरने से मौत हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कोझिकोड, कासरगोड कोट्टायम, पथनमथिट्टा और कन्नूर जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है और 24 घंटों के भीतर 115.6 मिमी से 204 मिमी बारिश होने की संभावना जताई है। वायनाड, मलप्पुरम, पलक्कड़, त्रिशूर, एर्णाकुलम, इडुक्की, और अलप्पुझा जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है जहां 64.5-115.5 मिमी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने राज्य के सभी जिलों में तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने बताया कि सुबह से ही उत्तरी जिलों में भारी बारिश हुई जिससे कोझिकोड शहर के कुछ हिस्सों में जलभराव हो गया और केएसआरटीसी (केरल राज्य सड़क परिवहन निगम) बस अड्डे के पास कई दुकानों में पानी घुस गया। मलप्पुरम और कन्नूर के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में भी भारी बारिश दर्ज की गई तथा तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलीं। अधिकारियों ने बताया कि एर्णाकुलम और अलप्पुझा सहित मध्य केरल के जिलों में भी सुबह तेज बारिश हुई।

चक्रवात 'मोंथा' ओडिशा में दक्षिणी जिलों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना जारी

भुवनेश्वर. बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव के क्षेत्र के सोमवार को चक्रवाती तूफ़ान 'मोंथा' में तब्दील हो जाने के कारण ओडिशा में 'रेड अलर्ट' जारी किया गया जिसके मद्देनजर आठ दक्षिणी जिलों में हल्की बारिश के बीच राज्य सरकार संवदेनशील स्थानों से लोगों को निकाल रही है. ओडिशा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा दीदी और अन्य लोग संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए समझा रहे हैं. मंत्री ने कहा कि निकासी अभियान में गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांग व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जा रही है।

अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा द्वारा गोवर्धन पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन

सरायपाली। नगर के उड़िया पारा मे अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के तत्वाधान मे गिरि गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी यादव समाज द्वारा गोबर्धन पूजा एवं अन्नकूट कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से शुभारंभ किया गया। श्री कृष्ण जी एवं गोवर्धन पर्वत का विशेष पूजा एवं आरती किया गया तथा क्षेत्र के साथ साथ प्रदेश एवं देश की खुशहाली, सुख शांति, समृद्धि की कामना की गई। गौमाता की पूजा अर्चना कर अन्नकूट खिलाई गई एवं भगवान् को भोग लगाकर सभी सामाजिक बंधुओं एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। उसके बाद यादव समाज के युवाओ द्वारा बाइक रैली कर नगर भ्रमण किया गया। दोपहर को भण्डारा का आयोजन किया गया। भण्डारा के पश्चात यादव समाज के मात्रृशक्ति, बच्चों, युवा एवं बुजुर्गों द्वारा एक साथ उड़िया पारा टाउन हॉल से महारैली यादवमय होकर उत्साह के साथ नगर में निकाली गई जिसमें राउत नाचा, घन्ट बाजा पार्टी, डी जे में भजन की धून के साथ आतिशबाजी करते हुए नगर के प्रमुख मार्गो से नाचते गाते हुए पूजा स्थल तक पहुँची। जहाँ पर सभी ने भगवान का दर्शन पूजन कर समाज द्वारा आयोजित किए गए। महाप्रसाद कार्यक्रम में भोजन एवं प्रसाद ग्रहण किए। इस कार्यक्रम में यादव समाज के संरक्षक मनोरथ लाल यादव, संरक्षक रथराम यादव, मीडिया प्रभारी एवं वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार यादव, जिला कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार यादव, उपाध्यक्ष विरेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष महेन्द्र यादव, युवा अध्यक्ष जय यादव, भरत यादव, करन यादव, प्रदीप यादव, निर्मल यादव, रामलाल यादव, संजय यादव, रिंकू यादव, जीतू मटारी, देवांशु यादव,मोनू यादव, लोकेश यादव, दीपक यादव, मोहन यादव, संजू यादव, प्रकाश यादव, गिरिधर यादव, बबलू यादव, विक्रम यादव,नारायण यादव, कैलाश यादव, राजेंद्र कुमार यादव राजू, योगेश यादव, दिव्यकुमार यादव, तुषार यादव, ईशान यादव, कोमल यादव, अंबर यादव, दिनेश कुमार यादव, मयंक यादव मोंटी, शुभम यादव आदि हजारों की संख्या में यादव बन्धु उपस्थित थे।

अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल की विशेष उपस्थिति में बिल्हा, निपानिया भाटापारा, हथबंद एवं तिल्दा नेवरा रेलवे स्टेशन में अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन

अमृत भारत स्टेशनों पर अमृत संवाद का आयोजन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में विशेष अभियान 5.0 के तहत अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में बिल्हा, निपानिया, भाटापारा, हथबंद एवं तिल्दा नेवरा रेलवे स्टेशन में अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल की विशेष उपस्थिति में अमृत संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों ने स्टेशन पुनर्विकास कार्य, यात्री सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता एवं स्टेशन सौंदर्यीकरण जैसे विषयों पर रेल अधिकारियों के साथ सार्थक संवाद किया। उपस्थित नागरिकों एवं यात्रियों ने रेलवे द्वारा स्टेशनों पर किए जा रहे विकास एवं पुनर्विकास कार्यों की सराहना करते हुए अनेक रचनात्मक सुझाव भी प्रस्तुत किए। इन सुझावों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक ने अमृत संवाद में कहा कि अमृत संवाद कार्यक्रम का उददेश्य रेल प्रशासन और नागरिकों के बीच एक सशक्त एवं सीधा संवाद स्थापित करना है। भारतीय रेल को अधिक आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित, यात्री-अनुकूल एवं जन-केंद्रित बनाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यात्रियों के सुझाव रेलवे की प्रगति के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं और इन सुझावों को नीतिगत रूप से लागू करने के लिए गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने अमृत भारत स्टेशनों पर चल रहे निर्माण अधीन कार्यों का निरीक्षण भी किया। स्टेशनों पर आवागमन हेतु एप्रोच रोड, रेलवे कॉलोनी की व्यवस्था, विकासात्मक कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। इस

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गरियाबंद में तैयारियों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

7 नवम्बर को नागाबुड़ा से गरियाबंद तक निकलेगी एकता पदयात्रा

गरियाबंद। लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती 31 अक्टूबर के अवसर पर आयोजित होने वाले विविध गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन एवं सफलतापूर्वक आयोजन के लिए कलेक्टर श्री बी एस उइके एवं जिला पंचायत सीईओ श्री प्रखर चन्द्राकर ने नागाबुड़ा, कोकड़ी सहित अन्य स्थलों का निरीक्षण किया।

उल्लेखनीय है कि 7 नवम्बर को पदयात्रा सुबह 9 बजे नागाबुड़ा से प्रारम्भ होकर जिला मुख्यालय गरियाबंद तक लगभग 9 किलोमीटर चलेगा। पदयात्रा से पहले स्थानीय लोगों में जागरूकता के लिए विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही युवाओं के बीच नशामुक्त भारत शपथ, संस्थानों में स्वदेशी मेलों का आयोजन एवं गर्व से स्वदेशी संकल्प भी दिलवाए जाएगे। इस दौरान योग एवं हेल्थ शिविरों के साथ क्षेत्र में स्वच्छता अभियान का भी आयोजन किया जाएगा। सरदार पटेल के उद्धरण और राष्ट्रीय एकता दिवस पदयात्रा से संबंधित संदेशों वाले साइन बोर्ड लगाये जायंगे। यात्रा पथ पर सार्वजनिक सुविधा स्थल बनवाएँ जिसमें पानी, शौचालय, हल्का भोजन आदि मूलभूत सुविधाएं शामिल किया जाएगा। यात्रा के दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि, आत्मनिर्भर भारत शपथ और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, राजिम विधायक श्री रोहित साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है। यह पदयात्रा नहरगांव, कोकड़ी होते हुए गरियाबंद में वृहद कार्यक्रम कर समापन किया जायेगा। कलेक्टर ने गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधियों एवं मीडियाकर्मियों को शामिल होने का आग्रह किया है।

वन विभाग की कार्रवाई, अवैध सागौन लकड़ी परिवहन करते आरोपी गिरफ्तार, एक ट्रेक्टर जब्त

बलौदाबाजार। वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार गणवीर धम्मशील के निर्देशानुसार वन परिक्षेत्र देवपुर अंतर्गत गश्ती दल द्वारा अवैध सागौन लकड़ी परिवहन करते एक ट्रेक्टर को पकड़ा गया और जब्ती की कार्यवाही की गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी देवपुर संतोष कुमार पैकरा के अगुवाई में गश्ती दल द्वारा देवरूम वनोपज जांच नाका के समीप एक सोल्ड पावर ट्रैक्टर ट्रॉली (नीला रंग) को विनिर्दिष्ट प्रजाति की सागौन लकड़ी (4 नग, कुल 0.443 घनमीटर) अवैध रूप से परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन में लकड़ी परिवहन संबंधी किसी प्रकार की वैध अनुमति या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। मौके पर ग्राम आरोपी लवकेश पिता सुमन यादव (आयु 27 वर्ष) एवं भूपेन्द्र पिता भगतराम नायक (आयु 40 वर्ष)दोनों निवासी ग्राम देवरूम को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। अवैध रूप से सागौन लट्ठा परिवहन करने के प्रकरण में छत्तीसगढ़ वनोपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम, 1969 की धारा 5(1), 15(2), एवं 16(क) के उल्लंघन पर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 15679/20 दर्ज कर जप्ती की कार्यवाही की गई है। बताया गया कि वर्तमान में प्रकरण की विवेचना जारी है तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में गश्ती दलों की निगरानी और कड़ी कर दी गई है ताकि किसी भी प्रकार के अवैध वनोपज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

युवाओं के साथ कुठाराघात कर रही है सरकार रूपेश नागवंशी का तीखा हमला

मोदी की गैरेंटी फेल, 2026 का कैलेंडर जारी, लेकिन 5000 शिक्षक गायब

भाटापारा। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक का विज़न दिखा रहे हैं, दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के लाखों युवा आज भी 5000 शिक्षक भर्ती के इंतज़ार में खड़े हैं। यह सवाल अब केवल बेरोज़गारी का नहीं, बल्कि सरकारी वादों की विश्वसनीयता का बन चुका है। सर्व आदिवासी समाज प्रदेश मीडिया सचिव और छत्तीसगढ़ राज्य आदिम संस्कृति, कला एवं साहित्य संस्थान पदाधिकारी रूपेश नागवंशी ने राज्य सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा मोदी की गैरेंटी अब खोखली साबित हो रही है। 2026 तक का कैलेंडर जारी कर देने से न तो युवाओं को नौकरी मिलेगी, न शिक्षक भर्ती, और न ही स्कूलों को शिक्षक मिलेगा। ये युवा ही हैं, जो आज देश की सबसे बड़ी उम्मीद हैं और इन्हें ही लगातार ठगा जा रहा है।

कहाँ है 5000 शिक्षक भर्ती?

5000 शिक्षक पदों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर सरकार की चुप्पी अब युवाओं में आक्रोश का कारण बन रही है। स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, लेकिन सरकार के पास केवल घोषणाओं की लंबी सूची है काम की नहीं। रूपेश नागवंशी ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रचार है, पर ज़मीनी स्तर पर हालात भयावह हैं। हर मोर्चे पर युवा खुद को ठगा महसूस कर रहा है। आदिवासी अंचलों से लेकर मैदानी क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है। और जिनकी नियुक्ति से सुधार आ सकता था, वे अभ्यर्थी बेरोज़गार घूम रहे हैं।

'सबका साथ' या 'युवाओं से विश्वासघात'?

सबका साथ, सबका विकास का नारा देने वाली सरकार से यही सवाल पूछा जा रहा है क्या वादे सिर्फ चुनावी जुमले थे

समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर भाटापारा शहर में जुआ खेलने वाले 8 जुआरियों को किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं को त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी प्रकार की भी सूचना, शिकायत अथवा अपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यो में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी क्रम में समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना भाटापारा शहर की पुलिस द्वारा 02 अलग-अलग मामलों में रामसप्ताह मंदिर के पीछे शंकर वार्ड एवं कुर्मी बाडी गली मुंशी ईस्माइल वार्ड भाटापारा में जुआ खेलते हुए 08 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जुआरियों से नगदी रकम ?20,835 एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया गया है।
आरोपी जुआरियों के विरूद्ध थाना भाटापारा शहर में छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।

अर्जुनी परिक्षेत्र में गौर के शिकार की घटना पर वन विभाग की त्वरित कार्रवाई

लापरवाही पर वनरक्षक निलंबित

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार वनमण्डल के अर्जुनी परिक्षेत्र अंतर्गत वन्यप्राणी गौर (बायसन) की करेंट लगाकर शिकार करने की घटना में लापरवाही बरतने के कारण वनमंडलाधिकारी द्वारा वनरक्षक को निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुनी परिक्षेत्र अंतर्गत बिलाड़ी परिसर के संरक्षित वन कक्ष क्रमांक 324 में 25 अक्टूबर को वन्यप्राणी गौर (बायसन) की करेंट लगाकर शिकार करने की घटना के संबंध में वन विभाग द्वारा संदिग्ध आरोपियों से पूछताछ कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। अवैध गतिविधि को रोकने हेतु अपेक्षित सतर्कता एवं निगरानी में लापरवाही बरतने के कारण वनरक्षक प्रेमचंद धृतलहरे को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने बताया कि वन विभाग द्वारा इस प्रकरण की गहन जांच की जा रही है तथा शिकार में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की पहचान कर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।आसपास के सभी परिसरों में गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है।साथ ही स्थानीय ग्रामवासियों से भी वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु सतर्क रहने एवं विभाग को तत्काल सूचना देने की अपील की गई है।

कसडोल से सम्पूर्ण नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम की शुरुआत, स्वास्थ्य टीम घर-घर जाकर करेगी सर्वे

सीएमएचओ ने नेत्र रोग सर्वे टीम को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बलौदाबाजार। जिले में इस वर्ष संपूर्ण नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत विकासखंड कसडोल को चुना गया है जिसमें स्वास्थ्य कर्मचारी विकासखंड की 2 लाख 85 हज़ार जनसंख्या का घर-घर सर्वे कर नेत्र रोगों की पहचान करेंगे। सीएमएचओ डॉ राजेश कुमार अवस्थी ने कसडोल में सर्वे टीम को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते हुए कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। सीएमएचओ ने बताया कि जिले के अन्य चार विकासखंडों में पहले ही सम्पूर्ण नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम संपादित किया जा चुका है ऐसे में शेष कसडोल में इस बार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम अंतर्गत नेत्र सुरक्षा बाबत घर-घर सर्वे के माध्यम से लोगों के नेत्र स्वास्थ्य की जाँच होगी। सर्वे में 8 सेक्टर,43 उपस्वास्थ्य केंद्र और 239 गांवों को कवर किया जाएगा। इसमें दृष्टिहीनता, मोतियाबिंद, कांचियाबिंद, दृष्टिदोष, रेटिनोपैथी, स्वास्थ्य शिक्षा, नेत्रदान जैसी प्रमुख गतिविधियां किया जाएगा। सर्वे में सर्वप्रथम ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक घरों में जाकर इस बारे में पता लगाएंगे, चिन्हित व्यक्ति का विवरण पश्चात नेत्र सहायक अधिकारी को दिया जाएगा जो उक्त मरीजों का पुनः परीक्षण करेंगे। किसी प्रकार की सर्जरी की जरूरत होने पर उसकी व्यवस्था भी की जाएगी। मरीजों को चश्मा भी वितरित किया जाएगा।

प्रदूषण जांच केन्द्र की स्थापना की जाएगी

गरियांबद। जिले में वर्ष 2025 तक कुल 1 लाख 61 हजार 422 वाहन पंजीकृत है। इनके विरूद्ध पीयूसी केन्द्रों की संख्या न के बराबर है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 115 के उपनियम (7) तहत समस्त मोटरयान को प्रदूषण प्रमाण पत्र पीयूसीसी प्राप्त करना अनिवार्य है। प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र जारी करने हेतु प्रदूषण जांच केन्द्र की आवश्यकता होती है। जिले में वाहनों के प्रदूषण जांच केन्द्र की स्थापना किया जाएगा। आमजनों के सुविधा के लिए प्रदूषण जांच केन्द्र खोलने हेतु इच्छुक है तो जिला परिवहन कार्यालय गरियाबंद में आवेदन कर सकते है। इस संबंध में अधिक जानकारी जिला परिवहन कार्यालय गरियाबंद से प्राप्त कर सकते है।

संक्षिप्त समाचार

छट्ठी का भोजन बना जानलेवा; 5 बच्चों की मौत कई लोगों की हालत गंभीर

रायपुर। बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत डूंगा के आश्रित गांव गोट में गुरुवार को फूड पॉइजनिंग की बड़ी ही दर्दनाक घटना हो गई, जिसने पूरे जिले को दहला कर रख दिया है। गांव में आयोजित एक छट्ठी कार्यक्रम के सामूहिक भोज के बाद अब तक पांच मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कई ग्रामीण और बच्चे गंभीर रूप से बीमार हैं।इस हृदयविदारक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार गोट गांव के एक परिवार में छट्ठी समारोह आयोजित था। इसमें नाते रिश्तेदारों के साथ ही पूरे गांव के लोगों के लिए भोज का कार्यक्रम भी रखा गया था। भोजन करने के कुछ ही घंटों बाद ग्रामीणों और बच्चों में उल्टी-दस्त, चक्कर और बेहोशी जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने लगे। देखते ही देखते कई लोगों की हालत बिगड़ गई। दुर्गम क्षेत्र होने के कारण, बीमारों को तत्काल स्वास्थ्य केंद्र ले जाने में काफी कठिनाई हुई। आनन-फानन में उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक पांच मासूम बच्चों की जान जा चुकी थी। दर्जनों लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है।घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग तत्काल हरकत में आया। नारायणपुर जिला अस्पताल और भैरमगढ़ स्वास्थ्य केंद्र से चिकित्सा टीमों को तुरंत गोट गांव के लिए रवाना किया गया। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि स्वास्थ्य अमला मौके पर है और बीमारों का उपचार युद्धस्तर पर जारी है।प्रशासन ने बीमारी फैलने का प्राथमिक कारण छट्ठी के भोजन को माना है। इसकी पुष्टि के लिए भोजन के सैंपल लेकर फूड लैब में परीक्षण के लिए भेजे जा रहे हैं, ताकि वास्तविक कारणों का पता चल सके।

धारदार चाकू के साथ दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई थानाक्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों से पुलिस ने धारदार चाकू के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 24.10.2025 को थाना खमतराई पुलिस को सूचना मिली कि विजय नगर भनपुरी के पास एक व्यक्ति हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित कर रहा है कि तत्काल खमतराई पुलिस टीम द्वारा विजय नगर भनपुरी पहुंचकर आरोपी राकेश बाघ पिता दामु बाघ उम्र-24 वर्ष निवासी विजय नगर भनपुरी रायपुर के कब्जे से एक धारदार चाकू जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार दिनांक 24.10.2025 को खमतराई पुलिस को सूचना मिली कि कविलाश नगर के पास एक व्यक्ति हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित कर रहा है कि तत्काल खमतराई पुलिस टीम द्वारा कविलाश नगर भनपुरी पहुंचकर आरोपी प्रेम दुबे पिता स्व. रमेश दुबे उम्र-20 वर्ष निवासी शास्त्री नगर फेकट पारा थाना देवेन्द्र नगर रायपुर के कब्जे से एक धारदार चाकू जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर विधिवत कार्यवाही की गई।

नमी आने के कारण होगी प्रदेश में हल्की वर्षा

रायपुर। प्रदेश में नमी आने के कारण कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो रही है, ग्रामीण क्षेत्रों में जल्द पकने वाली फसलों की कटाई शुरू हो गई है। दीपावली पश्चात अगले महीने धान की कटाई में तेजी आएगी। मौसम वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा के अनुसार दक्षिण छत्तीसगढ़ में बंगाल की खाड़ी से नमी आने कारण एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो रही है । इसके लगातार यही स्थिति बने रहने की संभावना है। जिसके कारण प्रदेश के दक्षिण भाग में हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की सम्भावना है । 25 एवं 26 अक्टूबर को कुछ स्थानों (मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ में) पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है । प्रदेश में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इधर राजधानी में मौसम बदलने के साथ ही हल्की ठंड लोगों को महसूस होने लगी है।

देशभर में आयोजित 17वें रोजगार मेले के तहत रायपुर में 95 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे रोजगार सृजन अभियान के तहत आज देशभर में 40 स्थानों पर एक साथ आयोजित 17वें रोजगार मेला के दौरान राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में 95 चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के सभागार में आयोजित किया गया, जिसकी मेजबानी छत्तीसगढ़ डाक मंडल ने की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री (गृह एवं शहरी कार्य मंत्रालय) तोखन साहू ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में मोतीलाल साहू, विधायक रायपुर ग्रामीण, सुवेंदु स्वैन, मुख्य डाकपाल (छत्तीसगढ़ परिमंडल) तथा लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक जिंदल, कार्यकारी निदेशक, एम्स रायपुर सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चों के संग बांटी दीपावली की खुशियां

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सरकार संकल्पित-साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर जरूरतमंद दिव्यांग बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए पूर्णत: संकल्पित है। उन्होंने कहा कि रायपुर में 5 एकड़ भूमि में दिव्यांगजनों के लिए सर्व-सुविधायुक्त पार्क का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिव्यांग बच्चों से बड़ी आत्मीयता के साथ भेंट की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कोंपलवाणी और अर्पण दिव्यांग संस्था में अध्ययनरत बच्चों ने मुख्यमंत्री सहित उपस्थित अतिथियों के समक्ष साइन लैंग्वेज का सुंदर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों के इशारों को दोहराते हुए उनसे साइन लैंग्वेज में गुड मॉर्निंग और गुड आफ्टरनून जैसे शब्द सीखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में दिव्यांगजनों के विकास के लिए सराहनीय कार्य हो रहा है। दिव्यांगजनों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऋण की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र खटीक ने रायपुर में दिव्यांग पार्क बनाए जाने की घोषणा की थी, और अब रायपुर में 5 एकड़ भूमि पर यह सर्व-सुविधायुक्त दिव्यांग पार्क विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने दिव्यांग बच्चों के साथ दीपावली मिलन कार्यक्रम के आयोजन हेतु छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन द्वारा जनसेवा के कार्यों के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट निर्वहन किया जा रहा है। पूर्व में एसोसिएशन द्वारा मरीजों के लिए एम्बुलेंस भी प्रदान की गई थी, जिसका लाभ अनेक जरूरतमंद लोगों को प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष छत्तीसगढ़ निर्माण का 25वां वर्ष है, जिसे हम रजत जयंती वर्ष के रूप में मना रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि इस वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी राज्योत्सव का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य निर्धारित किया है। उसी दिशा में हमें विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ना है। इस हेतु राज्य सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। सभी के सहयोग से इस लक्ष्य को हम अवश्य प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में सड़कों का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जिससे प्रदेश की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर विशाखापत्तनम तथा रायपुर धनबाद मार्गों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। महाराष्ट्र और त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस ने कहा कि मैं सांसद के रूप में दिव्यांगजनों के लिए गठित सोशल जस्टिस स्टैंडिंग कमेटी का सदस्य रहा हूँ। संसद में दिव्यांग बिल के लिए हमने व्यापक अध्ययन किया था। बिल पारित होने के पश्चात दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं में तीन गुना वृद्धि हुई। राज्यपाल रहते हुए मुझे दिव्यांगजनों के लिए कार्य कर रही संस्थाओं में जाने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की चुनौतियों को सामान्यजन अक्सर समझ नहीं पाते। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि इस बार जीएसटी दरों में कमी के कारण दीपावली का उत्सव और अधिक भव्य रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया, जिसकी हम आज रजत जयंती मना रहे हैं। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत छत्तीसगढ़ का योजनाबद्ध विकास निरंतर हो रहा है। सभी के सहयोग से विकसित छत्तीसगढ़ का सपना साकार होगा।

हत्या का प्रयास करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

जिले की लोरमी थाना पुलिस को ग्राम पेण्ड्री तालाब (टेकनपारा) में हत्या के नियत से एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से वार करने वाले आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकुनुमा हथियार, लोहे की रॉड एवं डण्डा जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया जुमनाबाई दिवाकर पति प्रीतम दिवाकर उम्र 45 साल निवासी टेकनपारा पेण्ड्रीतालाब थाना लोरमी जिला मुंगेली के द्वारा दिनांक 21.10.2025 को थाना लोरमी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 21.10.2025 को शाम करीबन 6-7 बजे आहत प्रीतम दिवाकर के घर के सामने मे बच्चे फटाका फोड़ रहे थे जहां से राजकुमार धृतलहरे अपने चाचा नील कुमार के साथ निकल रहे थे और बच्चों को रोड पर फटाका फोड़ने से मना किये जिस बात पर विवाद हुआ जो दोनो पक्षों में आपस मे सुलह हो गया। इस बात को राजकुमार ने अपने पिता दिलीप घृतलहरे को बताया इसके उपरांत पुरानी रंजीश के चलते आरोपी राजकुमार घृतलहरे, दिलीप कुमार घृतलहरे, नील कुमार घृतलहरे, देवकुमार घृतलहरे एवं विधि से संघर्षरत बालक एक राय होकर लोहा का रॉड, डण्डा से तथा एक चाकुनुमा हथियार लेकर जबरन प्रीतम दिवाकर के घर में घुस गये। जिसे प्रीतम दिवाकर द्वारा रोकने का प्रयास किया जिसे राजकुमार, दिलीप, नीलकुमार, देवकुमार एवं विधि से संघर्षरत बालक द्वारा एक राय होकर लगातार लोहे की रॉड व डण्डे से उसके सिर, पैर एवं हाथों में वार करने से पीड़ित प्रीतम लहुलुहान होकर जमीन पर गिर गया। इसी वारदात में बीच बचाव करने के दौरान प्रार्थिया जमुना बाई, आहत ओमप्रकाश दिवाकर, उमेश दिवाकर, नरेन्द्र दिवाकर ने बीच बचाव करने का प्रयास किया तो उन्हे भी आरोपियों द्वारा मारा गया है तथा मौके पर खड़े वाहनों को भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त किया गया है कि रिपोर्ट पर धारा 296, 351 (2), 115 (2), 333, 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध करवाई जिसकी रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष के बेहतर उम्मीद्वार के लिए वेणु गोपाल ने रायशुमारी

रायपुर। सृजन अभियान के तहत प्रदेश के विभिन्न जिला संगठनों में नए पदाधिकारी नियुक्त किए जाने को लेकर कांग्रेस हाईकमान ने स्थानीय पदाधिकारियों से मंथन कर लिया है। इसके पश्चात नए चेहरे सामने आएंगे। बैठक में भाग लेने के पश्चात पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी लौट गए हैं। इसके पश्चात टीएस सिंहदेव एवं दीपक बैज भी आज वापस आ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सभी 41 संगठन जिलों के अध्यक्षों के चयन के लिए गुरुवार को नईदिल्ली में बैठक हुई। एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पीसीसी चीफ दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पूर्व सीएम भूपेश बघेल और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव से रायशुमारी की।

400 करोड़ की चना खरीदी नान ने जारी किया पुर्न-टेण्डर

भारत सरकार-राज्य सरकार के प्रतिष्ठित उपकरमों से आमंत्रित की गई निविदा....

- प्रभावशाली नेता टेण्डर लेने के लिए हो रहे एकजुट
- स्वस्थ्य एवं पारदर्शितापूर्ण टेण्डर प्रक्रिया अपनाई जाएगी : अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में आदिवासी क्षेत्रों में चना वितरण को लेकर बुलाए गए ई-टेण्डर को लेकर एक बार फिर से कवायद शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने सभी भारत सरकार के-

राज्य सरकार, सयुक्त उपकरमों तथा प्रशिक्षित फर्मों तथा प्रतिष्ठानों से 2025-26 में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत चना क्रय हेतु ई-ऑक्शन पुर्ननिविदा के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक के माध्यम से डिप्टी एजीएम (चना) द्वारा राज्य में आदिवासी जिले (माडा) में चना आपूर्ति की जाएगा। जाएगी। 55,890 मेट्रिक टन चना खरीदा जाएगा। इसकी शर्ते है एक किलो की पैकेजिंग होनी चाहिए। उसके पश्चात 50 किलों की पीपी बैग्स की आपूर्ति की जाएगी। इसको निर्धारित जिलों में गोदाम तथा वितरण केन्द्रों में पहुंचाया जाएगा। राज्य में चना आपूर्ति के टेण्डर के लिए यह दूसरी बार पुन: निविदा आमंत्रित की गई है। इसकी शर्तोंको लेकर काफी विवाद गहराता जा रहा है। पिछले कई वर्षा से दिल्ली की एक संयुक्त उपकरम तथा एक जिले के प्रभावशाली परिवार के द्वारा यह ठेका लिया जाता रहा है। वर्तमान में आपूर्ति निगम के अध्यक्ष एक भाजपा समर्थित नेता है, उनका कहना है कि यह टेण्डर शीघ्र जारी कर दिया

एक नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राजधानी आगमन.....

- विधानसभा के नए भवन, संग्रहालय, ध्यान केन्द्र एवं सत्य सांई अस्पताल जाएंगे
- दो दिवसीय प्रवास राजधानी में सभी होटलों और अन्य स्थानों की होगी जांच

रायपुर/ संवाददाता

राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक नवंबर को छत्तीसगढ़ आगमन को लेकर सभी संभावित दौरा स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस अवसर पर सुरक्षा के चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री का संभावित दौरा कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर सभी कार्यवाही शुरू हो गई है। अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री आज नवा रायपुर अटल नगर में एक नवंबर को होने वाले विभिन्न कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार प्रजापिता ब्रह्मकुमार के नए आश्रम, संग्रहालय ट्राइबल रिसर्ज इंस्टीट्यूट निमोरा, विधानसभा भवन एवं सत्य सांई अस्पताल भी जाएंगे। उनका मूल कार्यक्रम छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करना है, यह भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है, इसमें 200 से अधिक सदस्यों के बैठने की सुविधा प्रदान की गई है। धान के बालियों के आकार पर इसे सजाया गया है। इसमें आकर्षक बाग-बागीचे भी लगाए जाएंगे। पूर्व विधायकों, विधायकों, सांसदों और पत्रकारों को भी बुलाया जाएगा। विधानसभा सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार एक नवंबर को प्रात: 11 बजे नए विधानसभा भवन का उद्घटन प्रधानमंत्री करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए डेढ़ घंटा आरक्षित रखा गया है। इस कार्यक्रम में पूर्व, वर्तमान विधायक, सांसदों एवं अध्यक्षों को आमंत्रित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के पश्चात स्पीकर हाउस अटल नगर में लंच रखा गया है। राज्य में प्रधानमंत्री का दो दिनों का दौरा है, जो कि महत्वपूर्ण है, इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 40 से अधिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री एक नवंबर को सुबह सत्य सांई हॉस्पिटल जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में 'सीएससी राज्य कार्यालय सह प्रशिक्षण केंद्र' भवन का भूमि पूजन संपन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में डिजिटल सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में आज सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के राज्य कार्यालय सह प्रशिक्षण केंद्र भवन का भूमि पूजन समारोह सेक्टर-24, नवा रायपुर अटल नगर में विधिवत संपन्न हुआ। यह भवन छत्तीसगढ़ में सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) के स्थायी राज्य कार्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा, जो राज्य में डिजिटल सशक्तिकरण, प्रशिक्षण और सेवा समन्वय का प्रमुख केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के प्रबंध संचालक संजय कुमार राकेश एवं विशिष्ट अतिथि संतोष कुमार आर्या, कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे। इस अवसर पर अन्य गणमान्य अतिथि, राज्य टीम के अधिकारी, जिला समन्वयक एवं विभिन्न जिलों के वीएलई प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए। समारोह का शुभारंभ पारंपरिक विधि से दीप प्रज्वलन एवं भूमि पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि संजय कुमार राकेश ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह नया सीएससी राज्य कार्यालय छत्तीसगढ़ में डिजिटल सेवाओं के प्रसार का केंद्र बनेगा।

रानीदाह जलप्रपात छत्तीसगढ़ के घने जंगलों में छिपा प्रकृति का चमत्कार

रायपुर/संवाददाता

रानीदाह जलप्रपात का सबसे आकर्षक रूप मानसून के दौरान देखने को मिलता है, जब पानी का बहाव चरम पर होता है और चारों ओर हरियाली व वादियां निखर उठती हैं। एडवेंचर, फोटोग्राफी, और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह स्थान अद्भुत अनुभव देता है। यहाँ की स्वच्छ बूंदें, हरियाली भरी घाटियाँ और झरने की गूंज हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध कर देती है। रानीदाह जलप्रपात छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 15 से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह झरना घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों के मध्य स्थित है और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। बरसात के मौसम में यहाँ का नजारा अत्यंत मनोहारी होता है, झरने की धाराएं विशाल चट्टानों से गिरती हैं और एक विशाल जलकुंड में मिल जाती हैं। आसपास जंगल, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, और ऊँची-नीची पहाड़ियाँ इस जगह को रोमांचक बनाते हैं। यहाँ के माहौल में शांति, ताजगी और हरियाली छायी रहती है, जिससे यह पिकनिक और प्रकृति प्रेमियों का आदर्श स्थल है। रानीदाह जलप्रपात से जुड़ी एक रोचक किंवदंती भी है। कहा जाता है कि उड़ीसा की रानी शिरोमणि अपने प्रेमी के साथ भागकर जशपुर आई थीं, जहाँ उन्होंने अपने भाईयों से छिपते हुए इसी झरने के समीप आत्मसमर्पण किया। इसी वजह से इस स्थल का नाम रानीदाह पड़ा। आज भी यहाँ रानी की समाधि और पंचमैया नामक स्थल देखने को मिलता है, जो रानी के पाँच भाईयों को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाता है। जलप्रपात के निकट एक शिव मंदिर भी है, जिससे इसका धार्मिक महत्त्व बढ़ जाता है। यह जलप्रपात वर्ष पर्यन्त विशेष रूप से जून से फरवरी तक चालू रहता है। जशपुर से आरा मार्ग पर लगभग 18 किमी दूरी और मुख्य सड़क से 5 किमी अंदर की ओर स्थित इस स्थल तक सड़क मार्ग, ट्रेन (रांची व अंबिकापुर रेलवे स्टेशन), और हवाई यात्रा (रांची व रायपुर एयरपोर्ट) से पहुँचा जा सकता है। यहाँ जिला प्रशासन ने व्यू प्वाइंट, सीढ़ियाँ, एवं पिकनिक के लिए सुरक्षित व्यवस्था की है ताकि पर्यटक पूर्ण रूप से प्रकृति का आनंद उठा सकें। रानीदाह जलप्रपात न केवल छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण बिंदु है, बल्कि प्रकृति, इतिहास और रोमांच से भरपूर एक अविस्मरणीय स्थल भी है। यहाँ आकर मनुष्य को प्रकृति के शांत, पवित्र एवं रमणीय स्वरूप का गहरा अहसास होता है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बनी ऊर्जा सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर

रामलाल पालीवाल को बिजली के बिल से मिली मुक्ति बिजली की बचत,उत्पादन से मिली राहत...

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लोकहित में कारगर साबित हो रही है। सौर ऊर्जा का उपयोग कर बिजली उत्पादन करने की यह योजना ऊर्जा सशक्तिकरण की दिशा में मील पत्थर साबित हो रही है। राजनांदगांव शहर के बसंतपुर वार्ड नंबर 43 के निवासी श्री रामलाल पालीवाल ने बताया कि उन्हें समाचार पत्रों के माध्यम से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने विद्युत विभाग एवं वेंडर से संपर्क किया एवं अपने घर में 3 किलोवाट का सोलर प्लांट लगवाया है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 12 से 15 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। उन्होंने

कहा कि प्रतिदिन लगभग 10 यूनिट बिजली का उपयोग होता है। श्री रामलाल पालीवाल ने बताया कि अब बिजली बिल से राहत मिली है और बिजली की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत उपयोगी है। इसका लाभ सभी को लेना चाहिए। राजनांदगावं शहर के बसंतपुर वार्ड नंबर 43 के निवासी श्री रामलाल पालीवाल रूफटॉप सोलर प्लांट की लागत 1 लाख 75 हजार रूपए है। शासन की ओर से 78 हजार रूपए अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि पहले बिजली के बिल से परेशान थे। 1200 से 1500 रूपए तक बिजली बिल आता था। वही गर्मियों में बढ़कर 2000 रूपए से अधिक बिजली का बिल देना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब बिजली के बिल से मुक्ति मिल गई है और अतिरिक्त बिजली 446 यूनिट जमा है। रूफ टॉप सोलर प्लांट पर्यावरण मित्र होने के साथ ही ऊर्जा के संरक्षण की दिशा में उपयोगी है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत अपने घर की छत पर ही ऊर्जा का उत्पादन करने की यह पहल बिजली के बिल से मुक्ति दिलाने तथा ऊर्जा संरक्षण की दिशा में लाभदायक साबित हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है।

संपादकीय

राजधानी की हवा अब सिर्फ सांस लेने की चुनौती नहीं, चेतावनी है

सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए इस बार भी उन्हीं उपायों को अपना रही है, जो बहुत कारगर नहीं रहे हैं। यह बेहद निराशाजनक है कि राजधानी और आसपास बढ़ते प्रदूषण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। सीपीसीबी के अनुसार अक्षरधाम और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 403 दर्ज किया गया जो 'गंभीर' श्रेणी में है। हर वर्ष दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण एक बड़ी समस्या के रूप सामने आता है। आज हालत यह है कि इसने लाखों लोगों की सेहत को जोखिम में डाल दिया है। सवाल यह है कि हर वर्ष कुछ महीने एक ही स्थिति रहने के बावजूद सरकार इस समस्या को काबू क्यों नहीं कर पा रही है।

हर बार चंद कदम उठाए जाते हैं और जैसे ही मौसम बदलता है, सरकार हाथ पर हाथ रख कर बैठ जाती है, यह जानते हुए भी कि अगले साल भी यही समस्या होगी। इस समय दिल्ली में पिछले तीन दिनों से वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की जा रही है। हालांकि इसकी एक वजह हवा की गति कम होना बताया जा रहा है। गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय ने निर्धारित समय में और एक निश्चित मापदंड के साथ हरित पटाखे छोड़ने की अनुमति दी थी। मगर जिस तरह से नियमों का उल्लंघन किया गया, उससे साबित हो गया कि नागरिकों में दायित्व बोध का किस हद तक अभाव है। नतीजा यह कि बुधवार को दिल्ली से लेकर नोएडा और गाजियाबाद तक वायु गुणवत्ता सूचकांक तीन सौ से ऊपर चला गया।

अन्य इलाकों से भी प्रदूषण के इसी तरह बेलगाम होने की खबरें आईं। सवाल है कि मनमानी का नतीजा किसे भुगतना होगा। गौरतलब है कि दिल्ली में बीते सोमवार को वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर चला गया था। इस हवा को बिगाड़ने में निस्संदेह उन लोगों का भी हाथ रहा जो पटाखे छोड़ने की छूट का मनमाना दुरुपयोग कर रहे थे। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में प्रदूषण कम होने की बात सरकारी स्तर पर कही गई है।

जबकि दीपावली के अगले ही दिन आंखों में जलन और घुटन महसूस करने की शिकायतें आम थीं। पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आसमान धुंधला हो चुका था।सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए इस बार भी उन्हीं उपायों को अपना रही है, जो बहुत कारगर नहीं रहे हैं। यह बेहद निराशाजनक है कि राजधानी और आसपास बढ़ते प्रदूषण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। आज जरूरत इस समस्या का ठोस हल निकालने की है। यह नहीं भूलना चाहिए कि यह जीवन जीने के अधिकार से भी जुड़ा मसला है।

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

बिहार चुनाव-मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

(ललित गर्ग)

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है।

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है।

जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अपना ही बोया काट रहे राष्ट्रपति ट्रंप

'नो किंग्स' विरोध-प्रदर्शन वही लोग कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति की नीतियों से खफा हैं और यह मानते हैं कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप एक तानाशाह के रूप में उभरे हैं। इनमें विरोधी पार्टी डेमोक्रेटिक के समर्थक भी हैं।

(अरविंद गुप्ता)

अमेरिका में राजनीतिक विभाजन कितना गहरा हो गया है, इसकी एक बानगी है ट्रंप प्रशासन के खिलाफ चल रहा विरोध-प्रदर्शन। बीते 18 अक्तूबर को देश भर में करीब 2,700 जगहों पर प्रदर्शन हुए, जिनमें माना जा रहा है कि 70 लाख अमेरिकियों ने शिरकत की। इन प्रदर्शनकारियों के निशाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे और वे 'नो किंग्स' के नारे लगा रहे थे, यानी अमेरिका में कोई राजा नहीं है।

'नो किंग्स' विरोध-प्रदर्शन वही लोग कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति की नीतियों से खफा हैं और यह मानते हैं कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप एक तानाशाह के रूप में उभरे हैं। इनमें विरोधी पार्टी डेमोक्रेटिक के समर्थक भी हैं। उनकी नजर में रिपब्लिकन शासन में अमेरिका का लोकतंत्र कमजोर हुआ है और आप्रवासन नीति या 'शटडाउन' जैसे ट्रंप प्रशासन के फैसलों से देश की सेहत लगातार बिगड़ रही है।

गौरतलब है, सरकारी खर्च को कांग्रेस (संसद) की मंजूरी न मिल पाने के कारण वहां सरकारी सेवाएं ठप हो चुकी हैं और तमाम विभागों के लाखों लोग या तो बिना वेतन के काम कर रहे हैं या उनको जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है, ताकि खर्च में कटौती की जा सके। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य और शिक्षा के मद में भी खर्च घटाए गए हैं, साथ ही डेमोक्रेट सरकार के समय जो सुविधाएं लोगों को उपलब्ध थीं, उनमें भी कटौती की गई है। आलोचकों में नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि ट्रंप ने ऐसे कई कार्यकारी आदेशों पर दस्तखत किए हैं, जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते और यह काम केवल कांग्रेस कर सकती है। जैसे, टैरिफ को बढ़ाना, जिसका असर महंगाई पर पड़ा है। साफ है, ट्रंप के रुख को अमेरिका के लोग पसंद नहीं कर रहे। जून में भी इसी तरह से 'नो किंग्स' विरोध-प्रदर्शन हुए थे, हालांकि उसका दायरा सीमित था। लिहाजा, देखना अब यह है कि भविष्य में इस तरह के विरोध-प्रदर्शन किस दिशा में आगे बढ़ते हैं? इसका आकलन इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि ट्रंप समर्थक इसे 'हेट अमेरिका', यानी अमेरिका-विरोधी बता रहे हैं। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने एआई की मदद से एक वीडियो जारी किया है, जिसमें वह 'किंग ट्रंप' नामक लड़ाकू विमान में बैठे हुए हैं और प्रदर्शनकारियों पर इंसानी मल गिरा रहे हैं। यह अमेरिका में गहराते ध्रुवीकरण और राजनीतिक विभाजन का संकेत है। इसीलिए यह सवाल उठने लगा है कि बेशक अभी तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं और किसी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई है, पर क्या आने वाले दिनों में भी यही स्थिति बनी रहेगी? यहां यह भी याद रखना जरूरी है कि अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों की एक लंबी और गहरी परंपरा रही है। संविधान संशोधन 'एक' के माध्यम से यहां के हर व्यक्ति को यह अधिकार हासिल है कि वह अपनी मांग को लेकर लोगों को जुटा सकता है और विरोध का बिगुल बजा सकता है।

छठ पूजा में इन गलतियों से रहें दूर, वरना रूठ सकती हैं छठी मैया, जानें क्या करें और क्या नहीं?

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर 2025, शनिवार से हुई और यह पर्व 28 अक्टूबर तक चलेगा। 25 अक्टूबर को नहाय-खाय होगा और अगले दिन यानी 26 अक्टूबर को खरना किया जाएगा। वहीं, 27 अक्टूबर की शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और अंत में 28 अक्टूबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इस महापर्व का समापन होगा। छठ पूजा में क्या नहीं करना चाहिए ?

(सुषमा कुमारी)

हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दौरान कुछ खास नियमों का पालन करना अनिवार्य माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं छठ पूजा में क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

लोक आस्था और श्रद्धा का पर्व छठ की शुरुआत 25 अक्टूबर से हो गई है। यह महापर्व चार दिनों तक चलता है और हर दिन का अपना विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस पर्व में छठी मैया और भगवान सूर्य की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। छठ महापर्व नहाए-खाए से शुरू होकर उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होता है। आपको बता दें कि शास्त्रों में छठ पूजा से जुड़े कई महत्वपूर्ण नियम बताए गए हैं, जिन्हें पालन करना अत्यंत आवश्यक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन न करने से पूजा का फल नहीं मिल पाता है। ऐसे में आइए जानते हैं छठ पूजा के दौरान क्या करना चाहिए और किन बातों से बचना चाहिए। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर 2025, शनिवार से हुई और यह पर्व 28 अक्टूबर तक चलेगा। 25 अक्टूबर को नहाय-खाय होगा और अगले दिन यानी 26 अक्टूबर को खरना किया जाएगा। वहीं, 27 अक्टूबर की शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और अंत में 28 अक्टूबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इस महापर्व का समापन होगा। छठ पूजा में क्या नहीं करना चाहिए ?

साफ-सफाई रखें- छठ महापर्व में साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष महत्व है। व्रत के दौरान घर, मंदिर और रसोईघर को पूरी तरह स्वच्छ रखना चाहिए। प्रसाद बनाते समय भी स्वच्छता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखना अनिवार्य है।

लहसुन, प्याज का सेवन न करें- नहाय-खाय वाले दिन व्रती महिलाओं को सात्विक भोजन करना चाहिए। इस दिन लहसुन, प्याज जैसी तामसिक चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। छठ पर्व में केवल व्रती ही नहीं, बल्कि उनके परिवार को भी सात्विक भोजन करना चाहिए, ताकि मन में श्रद्धा और भक्ति भाव बना रहे।

पानी का सेवन न करें- खरना वाले दिन से व्रत शुरू हो जाता है। छठ में निर्जला व्रत का विधान है, इसलिए व्रती महिलाओं को लगभग 36 घंटे तक पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में इसे अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। यदि व्रत के दौरान पानी पी लिया जाए, तो व्रत और पूजा अधूरी मानी जाती है।

ये काम न करें- व्रत रखने से पहले अपनी सेहत का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, जिसके कारण निर्जला व्रत नहीं रखा जा सकता, तो उस स्थिति में व्रत नहीं रखना चाहिए। केवल वही महिलाएं यह व्रत करें, जो इसके नियम का पूरी तरह पालन कर सकें।

फलों को जरूर धोएं- छठ पूजा में प्रयोग होने वाले गेहूं को अच्छे से धोकर सुखाना चाहिए और इसे पशु-पक्षियों से सुरक्षित रखना जरूरी है। छठ महापर्व में पवित्रता का विशेष महत्व है, इसलिए पूजा के सभी फलों को भी धोकर साफ स्थान पर रखना चाहिए।

साफ वस्त्र पहनें- व्रती महिलाओं को चारों दिन स्नान करके साफ वस्त्र पहनने चाहिए और नारंगी रंग का सिंदूर ही लगाना चाहिए। छठ पर्व में यह सिंदूर खास महत्व रखता है।

नई टोकरी का प्रयोग करें- पूजा के लिए हर साल नई टोकरी का प्रयोग करना शुभ माना जाता है। पुरानी या फटी हुई टोकरी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर पीतल की टोकरी या सूप है, तो उसे गंगाजल से शुद्ध कर इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस बात का रखें खास ध्यान- परिवार के सभी सदस्य इस बात का ध्यान रखें कि व्रती महिला या पुरुष के भोजन करने के बाद ही प्रसाद या खाना ग्रहण करना चाहिए। खरना वाले दिन इस नियम का विशेष रूप से पालन करना चाहिए। इस लेख में दी गई किसी भी जानकारी की सटीकता या विश्वसनीयता की गारंटी नहीं है।

करपावंड वन परिक्षेत्र में वन विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई, 70 नग सागौन और साल की लकड़ियां जब्त, 7 ग्रामीणों पर प्रकरण दर्ज

जगदलपुर। वन विभाग की टीम ने करपावंड वन परिक्षेत्र के अंतर्गत सरगीगुड़ा और मरेठा ग्राम पंचायत क्षेत्रों में अवैध लकड़ी भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने छापेमारी कर 70 नग सागौन एवं साल की कीमती इमारती लकड़ियां जब्त की हैं।जानकारी के अनुसार, विभाग ने 7 ग्रामीणों के घरों एवं बाड़ी (आंगन) में दबिश दी, जहां अवैध रूप से काटकर रखी गई लकड़ियां बरामद की गई। जब्त लकड़ियों की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही है।यह कार्रवाई मुख्य वन संरक्षण अधिकारी आलोक कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में तथा वनमंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता के निर्देश पर उपवन मंडलाधिकारी आईपी बंजारे के नेतृत्व में की गई।कार्यवाही के दौरान टीम में परिक्षेत्र अधिकारी लालसाय मरकाम, उपवन क्षेत्रपाल बुधराम कश्यप, बालकदास बघेल, वनपाल दिनेश आलम, जयदेव मौर्य, ओमप्रकाश सिंह, महेश पांडे, प्रवीण, ममता कश्यप, उड़नदस्ता अधिकारी सोनी साहब, तुलेश कश्यप, मंगल सिंह कश्यप, अरुण कश्यप और हेमंत मौर्य सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जिन ग्रामीणों के घरों से लकड़ी जब्त की गई है, उनके नाम तिरो, फूसिसग, दूलबो, सुकू, चमरू और माटा बताए गए हैं। वन विभाग ने मामले में प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि अवैध कटाई और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किरन्दुल गजराज कैम्प में मनाया गया मातर पर्व

किरंदुल। किरंदुल नगर के गजराज कैम्प में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मातर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मातर त्यौहार दिवाली के बाद मनाया जाता है एवं गायों की पूजा की जाती है और मातर का अर्थ होता है मां और तमतलब होता है शक्ति को जगाना (माँ की शक्ति को जगाना)इस पर्व में गाय की पूजा की जाती है छत्तीसगढ़ में यह पर्व मुख्य रूप से यादव रावत ठेठवार पाहटिया लोग के द्वारा मनाया जाता है साथ ही इसमें सभी जाति के लोग सम्मिलित होते हैं एवं यादव समुदाय के लोग घर घर में जाकर नाचते हैं और दोहा कर इस पर्व को धूम धाम से मनाया गया।

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ

सुकमा। किसानों के हितों की सुरक्षा और खरीदी व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन ने एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के नेतृत्व में सुकमा जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 हेतु समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब राज्य के सभी धान उत्पादक किसानों को एकीकृत किसान पोर्टल एवं भारत सरकार के एग्रीस्टेक पोर्टल दोनों पर पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है। यह व्यवस्था किसानों के लिए आधुनिक, पारदर्शी और सरल खरीदी प्रणाली स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, नवा रायपुर ने स्पष्ट किया है कि आगामी विपणन वर्ष में केवल पंजीकृत किसानों से ही धान उपार्जन किया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों को समय-सीमा के भीतर पंजीयन कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश जारी किए गए हैं। शासन ने यह भी निर्देश दिया है कि किसी भी किसान को कृषक पंजीयन में असुविधा न हो। विशेष परिस्थितियों में कुछ वर्गों जैसे संस्थागत पंजीयन, भूमिहीन किसान (अधीया, रेगा), डुबान क्षेत्र के किसान, वन अधिकार पट्टा धारक एवं ग्राम कोटवार -को एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन से अपवादस्वरूप मुक्त रखा गया है। लेकिन इन किसानों को केवल एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन करने पर भी धान खरीदी योजना का लाभ मिलेगा। किसानों की सुविधा के लिए शासन ने सीएससी सेंटर और नजदीकी कृषि सहकारी समिति स्तर पर ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था की गई है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के किसान भी आसानी से पंजीयन प्रक्रिया पूरी कर सकें। छत्तीसगढ़ शासन का यह कदम किसानों की जानकारी को एकीकृत डाटाबेस में सुरक्षित रखने, फर्जीवाड़े पर रोक लगाने, तथा समर्थन मूल्य पर खरीदी की पारदर्शी प्रणाली लागू करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

जगदलपुर में युवक पर चाकू से हमला तीन गिरफ्तार, भेजे गए जेल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ की बस्तर पुलिस ने शहीद पार्क स्केटिंग ग्राउंड चौपाटी क्षेत्र में एक युवक पर चाकू लहराकर जानलेवा हमला करने और अश्लील गाली-गलौज करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पीड़ित को पुरानी दुश्मनी के चलते जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। गत शनिवार की रात लगभग 10:30 बजे शहीद पार्क स्थित स्केटिंग ग्राउंड में घटी, थी। पीड़ित साहिल साव अपनी दुकान से सैंडविच खाने के बाद वहाँ पहुँचा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शानू उर्फमोहित त्रिपाठी (27), अर्जुन राव (29) और अनिल राव (25) पहले से ही मौके पर मौजूद थे। पीड़ित को देखते ही तीनों ने उसे अश्लील गाली-गलौज दी और पुरानी दुश्मनी को लेकर उस पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने साहिल को जान से मारने की धमकी देते हुए धारदार चाकू से उस पर वार किया। पीड़ित साहिल यहां से बचकर भाग निकल जाने में सफल रहा। इस दौरान उसके सिर में चोट आई। पीड़ित की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई की। एसपी शलभ सिन्हा के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से हमले में इस्तेमाल किया गया धारदार चाकू भी बरामद किया गया है। तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है और आगे की जाँच जारी है।

नक्सलियों ने 2 युवकों को उतारा मौत के घाट

किरंदुल। बस्तर अंचल में नक्सलियों की हिंसक गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताज़ा मामला कांकेर जिले से सामने आया है, जहां नक्सलियों ने एक बार फिर कायराना हरकत को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार, उस्‍पूर ब्लॉक के नेल्ला कांकेर गांव में नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक में दो युवकों की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके के लिए रवाना हो गया है। मृतकों की पहचान रवि कट्टम और रवि सोढ़ी के रूप में हुई है, जो दोनों ही इसी ग्राम के निवासी बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने गांव में पहुंचकर दोनों युवकों पर मुखबिरी का आरोप लगाते हुए उनकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। एडिशनल एसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि पुलिस की टीम घटनास्थल की ओर रवाना हो चुकी है और पूरे मामले की तस्दीक की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस घटना से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। पुलिस क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

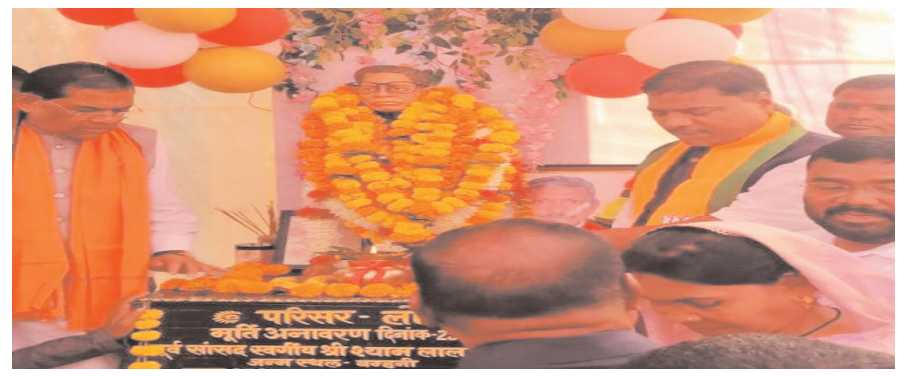

पूर्व सांसद स्व. श्यामलाल धुर्वे की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री कश्यप

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप अपने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान मंडला में आयोजित परिसर लोकार्पण एवं मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने पूर्व सांसद स्व. श्यामलाल धुर्वे की स्मृति में परिसर का लोकार्पण एवं मूर्ति का अनावरण किया। यह कार्यक्रम स्व. धुर्वे के जन्म स्थान बम्हनी जिला मंडला मध्यप्रदेश में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मंत्री कश्यप ने स्व. धुर्वे के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सदैव जनसेवा को प्राथमिकता दी और समाज में विकास की अलख जगाई। उल्लेखनीय है कि स्व. श्यामलाल धुर्वे का जन्म 25 अक्टूबर 1934 को हुआ था। उन्होंने 1972 से 1977 तक विधायक के रूप में और 1977 से 1979 तक सांसद के रूप में जनसेवा की। वे अपने सरल स्वभाव, ईमानदारी और जनहित के कार्यों के लिए प्रसिद्ध रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष शकुंतला उइके ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, विधायक नारायण सिंह पट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष मंडला संजय कुशराम, प्रफुल्ल मिश्रा सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्व. धुर्वे के परिवारजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण मासूम आदिवासी की हो रही है निर्मम हत्याएं : सीपीआई

बीजापुर। कमलेश झाड़ी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अपने बयान में कहा कि प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन कहे जाने वाली सरकार है और सरकार के मंत्री दावा कर रहे हैं की जल्द ही बस्तर संभाग से नक्सलियों का उन्मूलन और सफाया होगा! वहीं दूसरी ओर जब जब भाजपा सरकार के मंत्रियों का बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में दौरा होता है, तो इसी समय कोई न कोई मासूम आदिवासी मारा जाता है आखिर ऐसा क्यों ? भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) के जिला सचिव ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए है कि नक्सलियों के उन्मूलन और विकास करने के नाम पर भाजपा सरकार बस्तर के बेशकीमती खनिज संपदा, वन संपदा और बस्तर के जल, जंगल और जमीनों को बड़े उद्योगपतियों को देने और उन्हें लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से काम कर रही है और आदिवासियों का ही उन्मूलन कर रही है। सीपीआई नेता कमलेश झाड़ी अपने प्रेस बयान में यह भी कहा कि बस्तर संभाग में लगातार हो रहे मासूम और निर्दोष आदिवासी युवाओं की निर्मम हत्याओं का यदि कोई जिम्मेदार है तो वह केवल भाजपा की सरकार और उसकी आदिवासी विरोधी नीतियां है।

80 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत फ्रीडम लगाई दौड़

जगदलपुर। जगदलपुर में 80 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत फ्रीडम दौड़ लगाई। पुलिस उप महानिरीक्षक आईपीएस रेंज कार्यालय जगदलपुर एस अरुल कुमार के मार्गदर्शन में एवं कमाण्डेन्ट, जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम-2025 का आयोजन जगदलपुर में किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम-2025 कार्यक्रम में खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार सीआरपीएफ फिट इंडिया फ्रीडम रन 80 वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी, जवानों के साथ-साथ लालबाग फिटनेश एकेडमी जगदलपुर के युवक-युवतियों एवं आमजनो ने सीआरपीएफ फिट इंडिया फ्रीडम रन में दौड लगाई एवं कार्यकम में बढ-चढ भाग लिये। दौड़ का आयोजन मुख्यालय 80 वीं वाहिनी से रेलवे स्टेशन जगदलपुर एवं वापसी तक दौड कराया गया जिसमें बढ़-चढ के भाग लिये। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम में कमांडेंट जितेन्द्र कुमार द्वारा भारत की एकता एवं महत्वता के बारें में बृहद् जानकारी साझा कर जागरुक किया गया कि यह पहल भारत सरकार द्वारा किया गया अग्रीण प्रयास है। जिससे देश में लोगो को एक- दूसरे से जोड़कर एकता और सदभावना का बढ़ावा दिया जा सके। यदि हर व्यक्ति फिट इंडिया फ्रीडम में अपने दिनचर्या में दौड, व्ययाम एवं योग शामिल कर स्वस्थ्य रहे। जिससे हमारा घर, परिवार एवं देश स्वस्थ्य रहे। ताकि, सभी बीमारियों से निजात पाया जा सके।

टोकन व्यवस्था के तहत 30 प्रतिशत टोकन समितियों के माध्यम से और 70 प्रतिशत टोकन ऐप के माध्यम से जारी किए जाएंगे

धान खरीदी की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

जगदलपुर। कलेक्टर हरिस एस की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों को लेकर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने किसान पंजीयन की प्रक्रिया की समितिवार समीक्षा की और इसे शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी किसानों से संपर्क कर उनका पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुराने किसानों का डाटा कैरी फॉरवर्ड करने के साथ-साथ नए किसानों का पंजीयन भी प्राथमिकता से करने को कहा गया। जिन किसानों का डाटा कैरी फॉरवर्ड नहीं हुआ, उनके कारणों की जानकारी मांगी गई। बैठक में कलेक्टर ने उपार्जन व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश किए। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के लिए कई निर्देश जारी किए। सभी समितियों में एक समान नमी मापक यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, इलेक्ट्रॉनिक कांटा-बांट का उपयोग करने और धान भंडारण के लिए पर्याप्त स्थान न होने पर नए स्थानों का प्रस्ताव देने को कहा गया। साथ ही, शासन के निर्देशों के अनुसार धान भंडारण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। उपार्जन केंद्रों पर साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, बैनर और कंप्यूटर जैसी सुविधाओं को दुरुस्त करने और इसकी जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने के लिए भी स्पष्ट निर्देश दिए गए। बैंक शाखा प्रबंधकों की तैयारियों में कमी पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने डाटा संबंधी समस्याओं को तत्काल राज्य स्तर पर भेजकर समाधान करने के निर्देश दिए। धान खरीदी के लिए बारदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। बारदानों की जानकारी ऑनलाइन और भौतिक रूप से रखने के निर्देश दिए गए। टोकन व्यवस्था के तहत 30 प्रतिशत टोकन समितियों के माध्यम से और 70 प्रतिशत टोकन ऐप के माध्यम से जारी किए जाएंगे। टोकन जारी करने से पहले आधार सत्यापन अनिवार्य होगा। धान परिवहन के लिए वाहन द्वारा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। परिवहन वाहनों के आवागमन की निगरानी के लिए उनके आने-जाने के समय की फोटो अपलोड करने का निर्देश दिया गया। यदि कोई वाहन निर्धारित मार्ग से हटकर अन्य मार्ग पर जाता है, तो इसकी जानकारी जिला स्तरीय दल को मिल जाएगी और तत्काल जांच के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी। कलेक्टर ने सख्त चेतावनी दी कि धान उपार्जन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनियमितता पाए जाने पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जगदलपुर के अनुविभागीय दंडाधिकारी जगदलपुर ऋषिकेश तिवारी, बस्तर के अनुविभागीय दंडाधिकारी गगन शर्मा, डिप्टी कलेक्टर सत्येंद्र बंजारे, हीरा गवर्ना, सहकारी समितियों की उप पंजीयक ऊषा ध्रुव, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के सहायक मुख्य कार्यपालन अधिकारी ए रजा, जिला खाद्य नियंत्रक घनश्याम राठौर, जिला विपणन अधिकारी राजेंद्र ध्रुव, भू अभिलेख अधीक्षक सहित सभी तहसीलदार, सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक और लैंप्स प्रबंधक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सरयू पारिण ब्राह्मण द्वारा राधा कृष्ण मंदिर में मनाया गया दीपावली मिलन कार्यक्रम

बिलासपुर- छत्तीसगढ़ सरयू पारिण ब्राह्मण सभा द्वारा दीपावली मिलन का आयोजन, रतनपुर, छत्तीसगढ़ सरयू पारिण ब्राह्मण सभा द्वारा श्री राधा कृष्ण मंदिर में दीपावली मिलन का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूआत भगवान परशुराम की पूजा अर्चना के साथ की गई आचार्य पंडित अश्वनी दुबे के द्वारा पूजन कार्य संपन्न कराया गया उसके बाद उपस्थित सदस्यों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी तथा दीपावली से संबंधित शास्त्र पुराणों में वर्णित कथाओं को सुनाया गया उसके बाद आगामी आंवला नवमी पूजन कार्यक्रम के संबंध में चर्चा कर सर्व सम्मति से इस वर्ष वाला पूजन का कार्य का कार्य गिरजाब न हनुमान मंदिर में करने का निर्णय लिया गया साथ ही नवंबर माह में अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारी का चुनाव भी संपन्न कराने संबंधी चर्चा की गई इस कार्यक्रम में अध्यक्ष बलराम पांडे, अश्वनी दुबे, राजेश शर्मा, संतोष शर्मा, ओमप्रकाश दुबे, शेष देव मिश्रा, दिनेश पांडे, रमन शर्मा, शिवानंद पांडे ,राजेंद्र दुबे ,घनश्याम दुबे, नीलू पांडे, लक्ष्मी पांडे, चंद्रकांत शर्मा ,प्रीति शर्मा, पुष्पा तिवारी ,शुभ्रा तिवारी, रानी पांडे ,वंदना दुबे, रजनी दुबे के अलावा ब्राह्मण सभा के सदस्य उपस्थित रहे।

जांजगीर-चांपा में पटवारियों पर जुआ खेलते पकड़े जाने की कार्रवाई, 8 आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। कोतवाली पुलिस ने देर रात रमन नगर में दबिश देकर एक मकान के भीतर जुआ खेल रहे 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पकड़े गए आरोपियों में राजस्व विभाग के कई कर्मचारी शामिल हैं। इनमें पटवारी संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष ज्योतिष कुमार सार्वे समेत 6 पटवारी और एक निजी ऑपरेटर शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि यह जुआ रवि राठौर के घर में चल रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 40,200 रुपये नकद, 52 ताश की पत्तियां, 6 मोबाइल फोन, दो कार, दो स्कूटी और अन्य सामग्री जब्त की है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है। फ्लिहाल सभी आरोपियों के खिलाफजुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है और पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी है।

बालोद में बीएसपी के खिलाफ ग्रामीणों का चक्काजाम 11वें दिन भी जारी, तीन सरपंचों समेत 200 पर एफ्आईआर

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में ग्रामीणों का बीएसपी प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। महामाया, कलवर और धुलकी माइंस में रोजगार की मांग को लेकर ग्रामीणों ने 16 अक्टूबर से आंदोलन शुरू किया था, जो 11वें दिन भी जारी है। ग्रामीण महामाया स्कूल क्रमांक 2 के पास चक्काजाम कर बैठे हैं, जिससे बीएसपी की खदानों तक ट्रकों की आवाजाही ठप हो गई है और कंपनी को करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ रहा है। इस बीच बीएसपी प्रबंधन ने नुकसान और अवरोध के मामले में 200 से अधिक ग्रामीणों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत एफ्आईआर दर्ज कराई है। इनमें तीन ग्राम पंचायतों के सरपंच भी शामिल बताए जा रहे हैं। विरोध कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि वे खनन प्रभावित इलाके में रहते हैं, जहाँ माइंस से निकलने वाला लाल पानी उनकी फ्सलों को नुकसान पहुंचा रहा है। इसके बावजूद बीएसपी प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उन्हें खदानों में रोजगार नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

बायसन के शिकार में लापरवाही पर वनरक्षक निलंबित किए गए

बलौदाबाजार। अर्जुनी परीक्षेत्र के बिलाड़ी परिसर में बिजली के करेंट से वन्यप्राणी गौर (बायसन) के शिकार के मामले में वन विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने घटना में लापरवाही बरतने पर वनरक्षक प्रेमचंद धृतलहरे को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत तत्काल प्रभाव से की गई है। जानकारी के अनुसार 25 अक्टूबर को संरक्षित वन कक्ष क्रमांक 324 में बायसन की मौत का मामला सामने आया था। प्रारंभिक जांच में करेंट लगाकर शिकार किए जाने की बात उजागर हुई। इस पर वन विभाग ने संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

व्रतीयो ने अस्तचालगामी भगवान सूर्य को पहला अर्घ अर्पित किया

छठ व्रतियों के लिए 36 घंटे का कठोर निर्जला व्रत प्रारंभ हुआ

अंबिकापुर/चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ के दूसरे दिन व्रतियों ने रविवार की शाम में खरना का अनुष्ठान किया. शाम में स्नान दान कर भगवान भास्कर का ध्यान लगाया और अपने घर में खरना का भोग चढ़ाया. पूजा पाठ के बाद व्रतियों ने प्रसाद के रुप में खीर का भोजन किया. उसके बाद लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. लोक आस्था के इस पर्व में प्रसाद पानें के लिए लोग व्रतियों के यहां पहुंचते रहे. देर रात तक प्रसाद पाने के लिए लोग एक दूसरे के घर जाते रहे. दूसरी ओर भगवान भास्कर को अर्घ अर्पित करने के लिए प्रखंड के सभी छठ घाटों को पूरी तरह सजाया संवारा गया है.अनुष्ठान के तीसरे दिन सोमवार की शाम व्रती अस्तचालगामी भगवान सूर्य को पहला अर्घ अर्पित कर चौथे दिन मंगलवार की सुबह को भगवान भास्कर के उगते स्वरूप को अर्घ देकर सूर्योपासना के इस महापर्व का समापन किया जायेगा. खरना को लेकर व्रतियों ने पूरे दिन उपवास रखा. दोपहर बाद छठी मइया के पारंपरिक गीतों के बीच व्रतियों ने घरों अथवा नदी-तालाबों में स्नान किया तथा पूरी शुद्धता के साथ घरों में खरना के प्रसाद बनाये. मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी जलाकर रोटी तथा गुड़, चावल व दूध मिश्रित खीर बनाकर व्रतियों ने ग्रहण किया तथा पड़ोसियों व सगे-संबंधियों को भी खिलाया गया. मंगलवार को नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय महाव्रत का अनुष्ठान किया गया था.

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ आज, बाजारों में सजी रहीं दुकानें, चमक उठे हैं छठ घाट

छठ पूजा में भगवान सूर्य की उपासना की जाती है. जिसमें उदीयमान व अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ अर्पित करने का विधान है. प्रथम अर्घ डूबते हुए

सूर्य को दिया जाता है, जबकि दूसरा अर्घ अगले दिन उगते हुए सूर्य को दिया जाता है. सरगुजा में छठ महापर्व को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है. उत्साह का आलम यह है कि छठ गीतों की धूम चारों तरफ सुनाई दे रहा है. चकाई में छठ पर्व के पूजन में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों की बिक्री के लिए दुकानें सज गई हैं. खरीदारी को बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ रही ह. सुहागन महिलाएं छठ पूजा के लिए साड़ियां व श्रृंगार के सामान खरीदने में व्यस्त रहीं, वहीं पूजा में लगने वाले फ्लों व सामान की बिक्री भी जोरों पर रही. छठ पर्व के लिए बाजार में सूप की बिक्री भी बढ़ गई है. वहीं फ्लों की दुकानें भी सजी हुई हैं.छठ पर्व की खरीददारी को लेकर बाजारों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी रही है. बाजार से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में छठ को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है.सभी जगहों पर घाटों को सुंदर तरीके से सजाया गया है.कई जगहों पर पंडाल लगाए गए है. लाइट की बेहतरीन इंतजाम किए गए है. घाटों तक जाने वाली सड़कों पर लाइट लगाए गए है. मंगलवार को हर ओर छठ की छटा देखने वाली होगी. छठ घाटों को सुंदर बनाने में हर तबके के लोगों ने बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका निभाई. घाटों की सफाई कई दिनों से स्थानीय स्तर पर की जा रही थी. घाटों पर आने वाले व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानियां नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखने में पूजा समिति के सदस्य सक्रिय रूप से लगे रहे.

खबर का असर : मजदूरों की मेहनत लाई रंग, भटगांव की भूमिगत खदानों को मिला एक वर्ष का सीटीओ

संघर्ष और एकजुटता की मिसाल, क्षेत्र के 1100 मजदूरों की रोज़ी-रोटी पर आया संकट टला

सूरजपुर/ संवाददाता-- एस.ई.सी.एल भटगांव की भूमिगत खदान संकट पर आधारित खबर अखबार में प्रकाशित समाचार और मजदूर संघ के अनिश्चितकालीन आंदोलन का बड़ा असर सामने आया है। लगातार संघर्ष, एकजुटता और नेतृत्व की दृढ़ता ने अंतत: रंग लाया। भटगांव क्षेत्र की भूमिगत खदानों को पुन: एक वर्ष का सीटीओ (सहमति पत्र) प्रदान किया गया है, जिससे अब क्षेत्र के करीब 1100 मजदूरों की रोज़ी-रोटी सुरक्षित हो गई है।

आंदोलन की जीत, एकता की मिसाल- मजदूर संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इस सफलता को मजदूर वर्ग की जीत बताया है। संघ ने कहा कि यह संघर्ष केवल सीटीओ के लिए नहीं, बल्कि मजदूरों के अधिकार और अस्तित्व की रक्षा के लिए था। अगर संगठन एकजुट होकर आवाज़ उठाए, तो हर मुश्किल आसान हो जाती है।

संगठन ने जताया आभार- इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मजदूर संगठन ने क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े (महिला एवं बाल विकास), वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, प्रदेश के मुख्यमंत्री, तथा एसईसीएल कंपनी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया है। संगठन ने कहा कि सभी के सकारात्मक प्रयासों से भटगांव की खदानों को राहत मिली है और सैकड़ों परिवारों में फिर से खुशियां लौट आई हैं।

संघ का संदेश, संघर्ष जारी रहेगा- संघ के पदाधिकारियों ने कहा, हमारा संघर्ष मजदूरों की हक़ की लड़ाई थी और यह जीत सभी मेहनतकश भाइयों की है। संगठन आगे भी मजदूरों के अधिकार और सम्मान के लिए इसी तरह मजबूती से आवाज़ उठाता रहेगा।

भटगांव में भूमिगत खदान पर संकट,भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ नेतृत्व में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू हुआ....

■ एसईसीएल प्रबंधन की लापरवाही से 1100 मजदूरों की रोजी पर खतरा, क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर अंधकार के बादल

भटगांव की भूमिगत खदान संकट में मजदूरों का हल्ला बोल, अनिश्चितकालीन आंदोलन चौथे दिन भी जारी

एसईसीएल की लापरवाही से 1100 मजदूरों की रोजी-रोटी खतरे में, खदान बंद होने के कगार पर

भटगांव की अर्थव्यवस्था को मिला सहारा- विशेषज्ञों के अनुसार, खदानों के संचालन जारी रहने से न केवल मजदूरों का भविष्य सुरक्षित होगा, बल्कि क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था, बाजार और परिवहन से जुड़े लोगों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। यह फैसला भटगांव क्षेत्र की विकास यात्रा को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

वाड्रफ्नगर में नशे में धुत पुलिसकर्मियों की पिटाई का वीडियो वायरल

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के वाड्रफ्नगर से कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करने वाला एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो में नशे में धुत एएसआई और आरक्षक की चौकी के ठीक सामने पिटाई होते हुए देखी जा सकती है। बताया जा रहा है कि यह घटना बलंगी पुलिस चौकी क्षेत्र की है, जहां शराब के नशे में धुत दोनों पुलिसकर्मी ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गए। स्थानीय लोगों ने अपने मोबाइल फोन से इस पूरी घटना को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में एएसआई नंदराम और आरक्षक सुरेंद्र को शराब के नशे में लड़खड़ाते हुए देखा जा सकता है। इसी दौरान कुछ लोगों ने दोनों को पकड़कर चौकी के सामने ही जमकर पीट दिया। जानकारी के मुताबिक, एएसआई नंदराम का कुछ समय पहले ही जशपुर जिले में तबादला किया गया था, और घटना के बाद उसे रिलीव कर दिया गया है। उधर, इस पूरे प्रकरण के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। अब सवाल यह उठ रहा है कि कार्रवाई पुलिसकर्मियों पर होगी, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान शराब पी, या उन लोगों पर जिन्होंने कानून अपने हाथ में लेकर पुलिसकर्मियों की पिटाई की। फ्लिहाल, पुलिस प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। यह घटना न केवल पुलिस की अनुशासन व्यवस्था पर, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर रही है।

परशुरामपुर में सेक्टर स्तरीय कर्मा प्रतियोगिता कार्यक्रम हुआ-संपन्न

रामानुजनगर मुख्यालय के ग्राम पंचायत परशुरामपुर में शासन के आदेशानुसार सेक्टर परशुरामपुर में आठ पंचायत का कर्मा प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किया गया और कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र में दीप प्रज्वलित कर किया गया और सबसे पहले परशुरामपुर की करमा टीम ने शुरुआत में बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति एवं गायन वादन के साथ अपना कला का प्रदर्शन किया और सभी पंचायत की करमा टीम ने अपने प्रतियोगिता में भाग लेकर सुंदर प्रस्तुति करते हुए सरगुजा संभाग के प्राकृतिक नृत्य को जगाने का कार्य किया है,, निश्चित ही इस करमा प्रतियोगिता से आने वाले समय पर एक

छत्तीसगढ़ में अलग से पहचान करमा के क्षेत्र में जगह बनेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पंचायत परशुरामपुर,पतरापाली, गोकुलपुर, अक्षयपुर, द्ववारिकापुर, रामेश्वरम, सूरता, जिसमें से सबसे अच्छा कला एवं साज बाज के साथ मादर के ताल मे सुन्दर प्रस्तुति करते हुए प्रथम स्थान सक्ति साजन कर्मा रामेश्वरम की टीम रही, और द्वितीय स्थान - पतरापाली एवं तृतीय स्थान गोकुलपुर की टीम विजेता रही इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के द्वारा सभी करमा दल को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया साथ ही बालिकाओं का भी रिकार्डिंग डांस प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम से सभी दर्शकों ने ताली बजाकर स्वागत एवं अभिनंदन किये। प्रथम आने वाली टीम अपना जगह ब्लॉक स्तर पर अपना जगह बना ली है,, इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जनपद सदस्य श्रीमती अनीता सिंह जनपद सदस्य प्रतिनिधि राजु सिंह पुहुप, परशुरामपुर सरपंच मीरा सिंह सरुता, मोहन पुर सरपंच सुमित्रा सिंह, पतरापाली सरपंच परबतिया सिंह, रामेश्वरम सरपंच राम लखन सिंह द्वारिकापुर सरपंच राम अवतार सिंह सूरता सरपंच रामनंदन सिंह अक्षयपुर सरपंच राम कुमार, जगरनाथपुर सरपंच रामबिलास सिंह, उपसरपंच गोपाल सिंह पुहुप, करमा कार्यक्रम का निर्णायक के रुप में शिवनारायण सिंह कमरो, बल्ली राम पटेल,मान साय मरकाम,जगत सिंह, शिवधारी सिंह।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2025तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

■ महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने रेलकर्मियों को दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 27 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2025 तक 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है । इस अवसर पर आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सतर्कता विभाग द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग के मार्गदर्शन में इस सप्ताह का शुभारंभ किया गया । इस अभियान का उद्देश्य संगठन एवं समाज में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाना है । दिन की शुरुआत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय से बिलासपुर स्टेशन तक निकाली गई प्रेरक प्रभात फेरी से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए । प्रभात फेरी का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक सेवा में ईमानदारी और सतर्कता के महत्व को जन-जन तक

पहुंचाना तथा सत्यनिष्ठा के संदेश को जनचेतना के रूप में स्थापित करना था । सतर्कता हमारी साझा ज़िम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया । इस नाटक ने एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सत्यनिष्ठा की अहम भूमिका को रेखांकित किया और उपस्थित सभी को अपनी व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जिम्मेदारियों में पारदर्शिता और ईमानदारी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया । इसके पश्चात् दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी कार्यालयों एवं स्टेशनों पर एक साथ सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई । मुख्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने कार्य के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि सत्यनिष्ठा केवल एक शब्द नहीं, बल्कि यह प्रत्येक रेलकर्मी के आचरण और कार्य संस्कृति की पहचान होनी चाहिए । सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं हितधारकों ने एक स्वर में यह प्रतिज्ञा की कि वे नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए भ्रष्टाचार-मुक्त वातावरण निर्मित करने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए योगदान देंगे । सतर्कता जागरूकता सप्ताह शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण के महत्व को पुन: रेखांकित करता है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे इन आदर्शों को अपने प्रत्येक कार्य में आत्मसात करते हुए ईमानदार, जिम्मेदार और पारदर्शी रेल सेवा प्रदान करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है ।

रेलवे विभाग ने अवैध कब्जा धारियों को थमाया नोटिस,7 दिन की मोहलत ने बढ़ाई चिंता

कोरबा। रेलवे भूमि किमी 705/12-16 पर निर्मित अवैध निर्माण हटाने के सम्बंध में नोटिस दिए जाने से इंदिरा नगर दुरपा रोड के रहवासियों में खलबली मच गई है। वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (रेलपथ) के कार्यालय द्वारा 25 अक्टूबर 2025 को जारी व थमाई गई नोटिस में कहा गया है कि- आपके द्वारा रेलवे भूमि अवैध कब्जा किये हुए हैं, उक्त अवैध कब्जा को प्रत्र प्राप्ति के 7 दिन के अंदर आपके द्वारा हटाई जाए, अन्यथा रेल प्रशासन के द्वारा उक्त अवैध कब्जा को बलपूर्वक हटा दिया जाएगा, साथ ही आपके विरुद्ध विभागीय कानूनी कार्यवाही की जायेगी, जिसके जिम्मेदार आप स्वयं होंगे। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एसईसी रेल्वे के द्वारा उक्त नोटिस की प्रतिलिपि 1. सहायक मंडल अभियंता/ चांपा, 2. पोस्ट प्रभारी /रेल सुरक्षा बल/ कोरबा व 3. थाना प्रभारी, सिटी कोतवाली कोरबा (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई है। बताया जा रहा है कि रेलवे के द्वारा नया निर्माण कार्य कराया जाना है जिसके संबंध में भूमि की आवश्यकता होने के कारण स्थल खाली करने के लिए नोटिस जारी की गई है। गणेश राम, महादेव दास, अरुण सिंह, दीपक कुमार आदि लोगों को नोटिस मिला है। इन्होंने बताया कि हम लोग वर्षों से यहां पर अपना घर-मकान बनाकर निवासरत हैं और जीवन-यापन कर रहे हैं।

छठ महापर्व के चौथे दिन ऊषा अर्घ्य

छठ पूजा का चौथा और अंतिम दिन, ऊषा अर्घ्य, इस त्योहार का सबसे महत्वपूर्ण और भावनात्मक पल होता है। इस दिन, व्रती महिलाएं सूर्य देव को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने व्रत का समापन करती हैं। पूजा के बाद व्रती कच्चे दूध का शरबत पीकर थोड़ा प्रसाद खाकर व्रत को पूरा करती हैं, जिसे पारण या पारना कहा जाता है। उषा अर्घ्य का समय- सुबह 6 बजकर 30 मिनट (28 अक्टूबर 2025) को है। भोर में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन दिन होता है। ये पर्व मुख्य रुप से उत्तर भारत के राज्य पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोग ही मनाते है। लोग देश के किसी भी कोने में हो वो छठ पर्व जरूर मनाते है। छठ का अंतिम दिन और भी रोमांचक होता है क्योंकि यह वह दिन होता है जब व्रती अपने परिवार के सदस्यों के साथ स्वादिष्ट प्रसाद का आनंद लेते हैं।

प्रार्थना: अर्घ्य देने के दौरान व्रती महिलाएं सूर्य देव से प्रार्थना करती हैं कि वे हमेशा स्वस्थ और खुश रहें।
भोग: अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाएं भोग लगाती हैं। भोग में फल, ठेकुआ, दूध आदि शामिल होते हैं।
पूजा समापन: पूजा समाप्त होने के बाद व्रती महिलाएं ब्राह्मणों को दान देती हैं और परिवार के सदस्यों से आशीर्वाद लेती हैं। इसके बाद छठ माता से अपनी संतान की रक्षा और पूरे परिवार की सुख शांति का आशीर्वाद मांगा जाता है।
नए कपड़े पहनना: इस दिन व्रती महिलाएं नए कपड़े पहनती हैं।

ऊषा अर्घ्य की पूजा विधि

सूर्योदय की प्रतीक्षा: सप्तमी के दिन व्रती महिलाएं सूर्योदय से पहले नदी या तालाब के किनारे जाती हैं और सूर्योदय का इंतजार करती हैं।
अर्घ्य अर्पित करना: जैसे ही सूर्योदय होता है, व्रती महिलाएं कमर तक पानी में खड़े होकर, हाथ में जल लेकर सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं।

ऊषा अर्घ्य का भोग

ऊषा अर्घ्य के दिन भोग में मुख्य रूप से फल, ठेकुआ, दूध और जल शामिल होता है। फल जैसे केला, अंगूर, सेब आदि को भोग में शामिल किया जाता है। ठेकुआ एक विशेष प्रकार का मिठाई है जो छठ पूजा के लिए बनाया जाता है।

कैसे करें व्रत का पारण

ऊषा अर्घ्य के बाद 36 घंटे से चले आ रहे छठ व्रत का पारणा किया जाता है। व्रत करने वाली महिलाएं कच्चे दूध

का शरबत और थोड़ा प्रसाद लेकर व्रत को पूरा करती हैं, जिसे पारणा कहा जाता है। पारणा में खीर, आटे की पूड़ी, सब्जी और फल का प्रयोग किया जा सकती है। खीर को दूध, चावल और चीनी से बनाया जाता है। पारणा करते समय शुद्धता का ध्यान रखना जरूरी होता है। पारणा के बाद ब्राह्मणों को दान दिया जाता है। पारणा के बाद परिवार के सभी सदस्यों के साथ भोजन करना चाहिए।

सामान्य ध्यान देने योग्य बातें

स्वच्छता: पूजा के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।
मिट्टी के बर्तन: पूजा के लिए मिट्टी के बर्तन का उपयोग करना चाहिए।
फूलों और पत्तों की सजावट: पूजा स्थल को सजाने के लिए ताजे फूलों और पत्तों का उपयोग किया जाता है।

घर के सामने बिल्कुल भी न लगाएं नेगेटिविटी फैलाने वाले पेड़-पौधे

घर में पेड़-पौधे लगाने का बहुत से लोगों को शौक होता है। यह घर की सुंदरता तो बढ़ाते हैं इसके अलावा वास्तु शास्त्र के अनुसार भी इन्हें घर में लगाना बहुत ही शुभ बताया गया है। इसके अलावा इस शास्त्र में कुछ ऐसे पौधे भी बताए गए हैं जो घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाते हैं। इन पौधों को संबंध ग्रहों के शुभ और अशुभ प्रभाव से भी होता है। इसके अलावा कुछ पेड़ ऐसे भी होते हैं जिन्हें घर के सामने नहीं लगाना चाहिए। इन पेड़ों को घर में लगाने से नेगेटिविटी बढ़ती है और धन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तो आइए जानते हैं इनके बारे में....

इमली का पेड़

मान्यताओं के अनुसार, इमली का पेड़ घर में नेगेटिविटी फैलाता है इसलिए इसे घर के सामने नहीं लगाना चाहिए। यदि यह पेड़ घर के बाहर लगा हो तो इससे वैवाहिक रिश्ते में दरार पैदा हो सकती है।

पीपल का पेड़

पीपल का पेड़ भी घर के आसपास लगाना शुभ नहीं माना जाता है। घर में इसे लगाने से धन की हानि होती है। परंतु यदि यह आपके घर में खुद उग गया है तो इसे बिल्कुल न काटें इसे आप किसी पवित्र स्थान या फिर मंदिर में लगा सकते हैं।

खजूर का पेड़

खजूर का पेड़ भी घर के अंदर नहीं लगाना चाहिए। इस पेड़ को घर में लगाने से परिवार के सदस्यों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है इसके अलावा यह पेड़ परिवार के सदस्यों की तरक्की को भी प्रभावित करता है। इसलिए इसे कभी भी घर के पास या अंदर नहीं लगाना चाहिए।

बेर का पेड़

बहुत से लोग बेर का पेड़ घर या उसके आस-पास लगाते हैं परंतु यह पेड़ लगा होने से आपके जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार कांटेदार पौधे घर में लगाने अशुभ होते हैं और बेर के पेड़ में कांटे लगे होते हैं इसे लगाने से जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। इसके अलावा यह पेड़ नेगेटिव प्रभाव भी घर के सदस्यों पर डालता है। इसे घर में लगाने से आर्थिक तंगी आती है।

मदार का पौधा

यह पौधा भी घर के आस-पास लगाने से नेगेटिविटी बढ़ती है। इस पौधे से दूध निकलता है ऐसे पौधे जिनसे दूध निकलता है वह घर में नेगेटिविटी बढ़ाते हैं इसलिए इन्हें घर के आस-पास नहीं लगाना चाहिए।

अपनी डाइट में शामिल करें भुने चने

अगर आप अपनी वेट लॉस करने वाले हैं लेकिन समय-समय पर लगने वाली भूख को कंट्रोल नहीं कर पाते हैं। जिसकी वजह से आपका वजन कम होने की जगह बढ़ता जा रहा है तो अपनी डाइट में भुने हुए चने जरूर शामिल कर लें। भुने चने में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, मैंगनीज, फोलेट, फास्फोरस, तांबे, फैटी एसिड, कैल्शियम, आयरन और विटामिंस जैसे आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो वेट लॉस से लेकर आपकी इम्यूनिटी तक को बूस्ट करने का काम करते हैं। आइए जानते हैं अपनी डाइट में भुने चने शामिल करने से व्यक्ति को मिलते हैं कौन-कौन से फायदे।

कब्ज से राहत दिलाए

चने कब्ज से छुटकारा दिलाने में भी फायदेमंद होते हैं। आप थोड़े से चने भून लें, सुबह खाली पेट इनका सेवन करें। इससे कब्ज की समस्या में काफी हद तक आराम मिलता है। कब्ज होने पर आप कुछ दिनों तक लगातार भुने हुए चने खा सकते हैं, इससे आपको काफी लाभ मिलेगा।

वेट लॉस में फायदेमंद

अगर आप भी अपनी वेट लॉस जर्नी में हैं तो अपनी डाइट में भुना चना जरूर शामिल करें। भुने हुए चने में मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती और वो ओवर ईटिंग करने से बच जाता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, फाइबर से भरपूर चीजें खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इसके अलावा फाइबर पाचन को बेहतर बनाए रखने के साथ कब्ज को रोकने में भी मदद करता है।

डायबिटीज

डायबिटीज में भी भुना चना खाने से कई फायदे मिलते हैं। दरअसल, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ डायबिटीज रोगियों के लिए बेहतर माने जाते हैं। कम जीआई होने का मतलब है कि उस विशेष खाद्य पदार्थ के सेवन से आपके ब्लड शुगर लेवल में अन्य खाद्य पदार्थों की तरह उतार-चढ़ाव नहीं होगा। चूंकि चने का जीआई लेवल 28 है इसलिए यह डायबिटीज के रोगियों के लिए खाने का एक अच्छा विकल्प माना जाता है।

दिल की सेहत

भुने हुए चने में मैंगनीज, फोलेट, फास्फोरस और तांबे जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होने की वजह से यह दिल की सेहत का खास ख्याल रखता है। इसमें मौजूद फास्फोरस रक्त परिसंचरण में सुधार करके दिल को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

पाचन को बनाए बेहतर

भुना चने में मौजूद फाइबर पाचन को बेहतर बनाकर कब्ज जैसी समस्या से भी बचाव करता है। भुने चने को डाइट में शामिल करके डाइजेशन से जुड़ी सस्याओं को दूर किया जा सकता है।

करी पत्ते को लंबे समय तक फ्रेश रखने की टिप्स

करी पत्ते न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि इसके तड़के से खाने की खुशबू भी बढ़ जाती है। वहीं करी पत्ते में कई सारे हेल्थ बेनिफिट्स भी हैं। ये बालों के साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं। हालांकि करी पत्ते को लेकर ये एक दिक्कत होती है कि तोड़ने के कुछ दिन बाद ही सूखने लगती है। ऐसे में लंबे समय फ्रेश नहीं रह पाते हैं। तो चलिए आज आपको बताते हैं करी पत्ते को लंबे समय तक फ्रेश रखने की टिप्स....

कंटेनर

करी पत्ते को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए किसी प्लास्टिक या कांच के कंटेनर में रखें।

डंठल अलग करें

करी पत्तों को ज्यादा समय तक ताजा रखने के लिए उसके डंठल अलग करके रख दें।

सुखाएं

करी पत्ते को धूप में सुखाकर लंबे समय तक तरोताजा रख सकते हैं। पत्तों को सुखाने के बाद किसी एयर टाइट डिब्बे में रख लें।

आटे की गंदी छन्नी साफ करने के तरीके

आटा छानने के लिए महिलाएं प्लास्टिक या फिर स्टेनलेस छन्नी ही इस्तेमाल करते हैं। छन्नी की मदद से आटे में से चोकर आसानी से निकल जाता है जिससे आटा और भी अच्छी तरह से गूंथा जाता है। इसके अलावा यह आटे में मौजूद किसी भी तरह की मिलावट भी दूर करती है लेकिन रोजाना इस्तेमाल करने से यह गंदी होने लगती है और इसमें आटा चिपक जाता है। आटा चिपकने के कारण इसे साफ करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे हैक्स बताते हैं जिनके जरिए आप छन्नी को आसानी से साफ कर सकते हैं। आइए जानते हैं....

गर्म पानी और डिशवॉश

सूखा आटा जमने से छन्नी के छेद भी बंद हो जाते हैं जिससे आटा भी सही तरीके से छानना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में इसे साफ करने के लिए आप गर्म पानी और डिशवॉशर इस्तेमाल कर सकती हैं। एक पतीले में गर्म पानी डालें और इसमें डिशवॉश सॉप मिला दें। फिर 20-30 मिनट के लिए इसमें छन्नी को भिगोएं। पानी में घुलने से आटा आसानी से निकल जाएगा इसके बाद आप स्क्रब से साफ करके इसे आसानी से साफ कर सकते हैं।

ओवन में रखकर

ओवन में छन्नी को रखकर आप साफ कर सकते हैं। एक प्लेट में आटे की छन्नी रखें और फिर इसे 40 सैकेंड के लिए ओवन में रखकर गर्म कर लें।

तय समय के बाद इसे निकालकर डिशवॉश सॉप और स्क्रब के साथ साफ करें। इस पर जमी हुई आटे की पपड़ी और जिद्दी दाग आसानी से छुट जाएंगे।

टूथब्रश के साथ

पुराने टूथब्रश की मदद से आप छन्नी आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए किसी पुराने टूथब्रश से छन्नी को रगड़ें। रगड़ने के बाद छन्नी को अच्छी तरह पानी से धोकर फिर ही इस्तेमाल करें।

वैक्यूम क्लीनर

वैक्यूम क्लीनर की मदद से आप सिर्फ फर्श ही नहीं बल्कि आटे की छन्नी भी साफ कर सकते हैं। यदि आपके पास वैक्यूम क्लीनर है तो इसके छोटे अटैचमेंट वाली जगह जहां पर ब्रिसल का ब्रश लगा होता है वहां पर रखें। इस बात का ध्यान रखें कि वैक्यूम ब्रश साफ हो ताकि आपकी छन्नी गंदी न हो। इसके बाद इसे साफ कर लें। इसमें मौजूद आटा आसानी से साफ हो जाएगा।

जरूरत से ज्यादा स्ट्रेस पहुंचाता है दिल की सेहत को नुकसान

लाइफ में कोई भी मुश्किल या चुनौती आने पर व्यक्ति को सबसे पहले स्ट्रेस महसूस होता है। हालांकि अगर यह तनाव थोड़ी देर के लिए बना रहता है तो इससे नुकसान नहीं बल्कि व्यक्ति को फायदा मिलता है। इस तरह का तनाव व्यक्ति को कठिन समय और हालात से लड़ने का हौसला देता है। लेकिन अगर यही तनाव किसी वजह से लंबे समय के लिए बना रहता है तो ये व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत को नुकसान पहुंचाने लगता है। लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव शरीर के महत्वपूर्ण अंगों पर बुरा असर डालने लगता है। ऐसा ही एक नाजुक अंग व्यक्ति का 'दिल' है।

तनाव से दिल की सेहत को होता है नुकसान

अध्ययनों से यह भी सामने आया है कि स्ट्रेस आर्टरीज में प्लाक के जमाव के सबसे बड़े जोखिम कारकों में से एक है। अगर लंबे समय तक स्ट्रेस हार्मोन्स बनते रहते हैं तो व्यक्ति के शरीर में ब्लड शुगर, ब्लड कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स की मात्रा बढ़ जाती है, जिसकी वजह से भी दिल की सेहत प्रभावित होती है।

इमोशनल स्ट्रेस का भी पड़ता है दिल पर असर

इमोशनल स्ट्रेस की वजह से व्यक्ति की नींद भी प्रभावित होती है। लगातार कई दिनों तक पूरी नींद नहीं ले पाने की वजह से एकाग्रता में कमी के साथ काम करने की क्षमता पर भी गहरा असर पड़ता है। जो व्यक्ति के तनाव को बढ़ाने का काम करता है। जिसकी वजह से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या के साथ हृदय रोगों का जोखिम भी बढ़ जाता है। लंबे समय तक इमोशनल स्ट्रेस में रहने की वजह से व्यक्ति की सोशल लाइफ भी प्रभावित होती है। जरूरत से ज्यादा तनाव कई बार मोटापे का कारण बनता है, जिसकी वजह से हृदय रोगों की आशंका बढ़ जाती है। मोटापे की वजह से सोते

समय सांस लेने में दिक्कतें होती हैं, जिसे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया कहते हैं, इसका इलाज नहीं होने पर ब्लड प्रेशर बढ़ता है जो हृदय के स्वास्थ्य की दृष्टि से खतरनाक होता है। इमोशनल स्ट्रेस की वजह से व्यक्ति को अनहेल्दी फूड खाने की आदत पड़ जाती है। फल और सब्जियों की जगह वह मिठाइयों और अन्य कार्बोहाइड्रेट्स से भरपूर खाद्य पदार्थों को खाना ज्यादा पसंद करता है। खानपान की ये अनहेल्दी आदतें हार्ट के लिए मुसीबत बन सकती हैं। शोध से यह बात सामने आई है कि अक्सर तनावग्रस्त व्यक्ति अपने तनाव से छुटकारा पाने के लिए शराब और धूम्रपान जैसी नशीली चीजों का आदी बन जाता है। ये पदार्थ न सिर्फ हार्ट के लिए बल्कि सेहत से जुड़े अन्य खतरे भी पैदा करते हैं।

क्या कहता है अध्ययन

हाल के समय में हुए अध्ययनों में कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज और इंफ्लेमेशन बढ़ने के बीच कनेक्शन भी देखा गया है। दरअसल, बचपन में तनावपूर्ण स्थितियों से गुजरने और ट्रॉमा के चलते भी इंफ्लेमेशन मार्कर का अधिक स्तर पैदा होता है, जो आगे चलकर हृदय रोगों के लिए जोखिम बढ़ाता है। इनके अलावा, ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम एक ऐसी ही बीमारी होती है जिसमें हार्ट का एक भाग अस्थायी रूप से कमजोर हो जाता है। इसकी मांसपेशियों में शिथिलता आ जाती है, जिससे इसकी पम्पिंग क्षमता कम हो जाती है। इसे स्ट्रेस कार्डियोमायोपैथी भी कहा जाता है। अक्सर यह बीमारी मानसिक अवसाद अधिक होने पर देखी जाती है। जिसकी वजह से व्यक्ति को कई तरह के इमोशनल स्ट्रेस जैसे दुख, डर, अत्यधिक क्रोध और हैरानी जैसी भावना से होकर गुजरना पड़ता है।

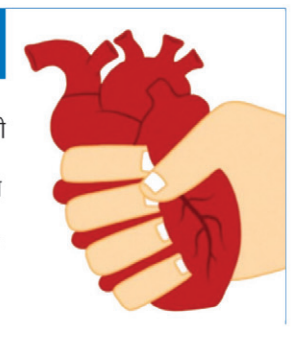

चटपटी आलू चाट

हमारे भारत में कई जगहों पर लोग मीठा खाना ज्यादा पसंद करते हैं तो वहीं कई जगहों पर तीखा। अगर बात करें स्ट्रीट फूड की तो देश में कई शहर ऐसे हैं भी है जिनका स्ट्रीट फूड बहुत फेमस है। जिनमें से एक नाम दिल्ली शहर का भी है। जहां की चाट बहुत फेमस है। जिसे घर पर बनाना बहुत आसान है। तो चलिए जानते है उसकी रेसिपी के बारे में।

❐ आवश्यक सामग्री :-

तलने के लिए ऑयल, आलू- 2 आलू (उबले हुए), चाट के लिए, नीबू का रस-3 बड़े चम्मच नींबू का रस, जीरा पाउडर- 1 चम्मच (भुना हुआ पाउडर), पुदीना पत्तियां-1 चम्मच (सूखी हुई), चाट मसाला- आधा चम्मच, काला नमक- स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर -1 चौथाई चम्मच, ताजा धनिया गार्निश के लिए, अदरक- आधा चमम्च (कद्दूकस किया हुआ), नमक -1 चुटकी नमक, नींबू का रस - आधा चमम्च, तीनों को मिक्स करें, एक बाउल में रख लें

❐ बनाने की विधि :-

आलू को छिलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक पैन में आलू डालकर हल्का फ्राई करें और निकाल लें। अब एक बड़े कटोरे में तला हुआ आलू लें। इसमें नींबू का रस सहित सारी सामग्री को अच्छे से मिक्स करें। फिर गर्निश करने के लए अदरक, नींबू का मिश्रण डालेंगे। आपके टेस्टी आलू चाट बनकर तैयार है। इसे सबको गर्मागर्म सर्व करें।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध कब्जा और शराब का अड्डा : बोडला से धवाई पानी तक सरकारी व वन भूमि पर फल-फूल रहा अवैध ढाबा कारोबार, प्रशासन मौन

कवर्धा। कबीरधाम जिले के बोडला विकासखण्ड से धवाई पानी तक का मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा हुआ है, जो आगे मध्यप्रदेश सीमा में प्रवेश करता है। यह मार्ग न केवल दो राज्यों को जोड़ता है, बल्कि अब अवैध कब्जे, शराबखोरी और प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक बन गया है। जानकारी के अनुसार, बोडला से धवाई पानी तक के बीच सड़क किनारे दर्जनों होटल और ढाबे सरकारी व वन विभाग की भूमि पर अवैध रूप से संचालित किए जा रहे हैं। बिना किसी वैध स्वीकृति या पट्टे के बनाए गए ये ढाबे खुलेआम ग्राहकों को बैठाकर छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश, दोनों राज्यों की शराब परोस रहे हैं। यहां आने-जाने वाले वाहनों के चालक, पर्यटक और स्थानीय लोग इन ढाबों में शराब सेवन करते हैं, जिससे कई बार सड़क हादसों की स्थिति भी बनती है। सूत्रों के अनुसार, शराब तस्करी और अवैध बिक्री पर नियंत्रण के लिए ना तो आबकारी विभाग सक्रिय है और ना ही पुलिस या वन विभाग की कोई ठोस कार्रवाई सामने आई है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और दो राज्यों की शराब बिक्री एक गंभीर अपराध है, जो कानून व्यवस्था और राजस्व दोनों के लिए चुनौती है। लोगों ने राज्य सरकार, वन विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से मांग की है कि बोडला से धवाई पानी तक पूरे क्षेत्र का सर्वे कर अवैध ढाबों, शराब बिक्री और कब्जों पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

बेमेतरा यातायात प्रभारी द्वारा वाहन चालक गणों को यातायात बाधित नहीं करने के संबंध में दी समझाइश

कोई भी गाड़ी को सीमित गति से चलाया जाय ताकि कोई घटना घटने के पहले ही वाहन को नियंत्रित किया जा सके

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी कौशिल्या साहू, डीएसपी राजेश कुमार झा के मार्गदर्शन में यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो एवं यातायात पुलिस टीम द्वारा चोरभट्ठी बाईपास रोड के पास बेमेतरा चालक संघ अध्यक्ष और सभी चालकगणों को यातायात बाधित नहीं करने के संबंध में समझाईश दिया गया। साथ ही वाहन

चालको को बताया गया कि दो पहिया वाहन हो या चारपहिया वाहन या उससे बडी वाहन हो कोई भी गाडी को सीमित गति से चलाया जाय ताकि कोई घटना घटने के पहले ही वाहन को नियंत्रित किया जा सके और घटना को टाला जाये, साथ ही नशे की हालत में वाहन न चलाने, दो पहिया वाहन में तीन सवारी न चलने और हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करने की अपील किया गया। साथ ही आमजनों को अपील करते कहा गया कि सड़क में अगर कोई दुर्घटना होती है और इस घटना में व्यक्ति घायल हो तो उसे हर इंसान को चाहिए कि वे अपनी इंसानियत का परिचय देते हुए घायल को अस्पताल तक पहुंचाए या एंबुलेंस को सूचित करें। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने में घबरायें नहीं। मदद करने वाले व्यक्ति को पुलिस या अस्पताल द्वारा परेशान नहीं किया जायेगा। यातायात बेमेतरा स्टॉफ ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यातायात नियमों का पालन करे, पीकअप, मालवाहक वाहन में सवारी न बैठाये, मोटर सायकल में मोडिफाइड साइलेंसर न लगाये, अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, बिना नंबर के वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें। वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करें। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना और नशे की हालत में वाहन न चलाना न केवल कानून का पालन है बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। बेमेतरा पुलिस आपकी सहायता के लिये है, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें।

विराट 108 कुण्डीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ 8 दिसंबर से

दल्लीराजहरा। विश्व गायत्री शक्तिपीठ शांतिकुंज हरिद्वार के स्थापना के शताब्दी वर्ष के अवसर पर विराट 108 कुण्डीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ 2025 का आयोजन 08 दिसंबर से 11 दिसंबर 2025 तक गंजपारा बालोद में हो रहा है। इस आयोजन का आमंत्रण देने के लिए दल्लीराजहरा विश्व गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक हीरालाल पवार, परिवाजक देव प्रसाद आर्य, शक्तिपीठ परिवाजक धीरपाल ठाकुर एवं दिलेश्वरी ठाकुर तथा चालक शक्तिपीठ रथ चालक नरेश कुमार ग्वाल के द्वारा ग्राम बिटाल कारूटोला जाबुड़वही एवं चिखलाकसा में आमंत्रण देने के लिए कलश यात्रा निकाली गई। हीरा लाल पवार (दल्लीराजहरा) ने बताया कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं भगवती देवी शर्मा के संरक्षण में, माता के जन्म शताब्दी वर्ष एवं गुरुदेव द्वारा प्रज्वलीन अखण्ड द्वीप के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बालोद नगर में 108 कुण्डीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ के आयोजन गायत्री शक्तिपीठ बालोद जिला गायत्री परिवार एवं समस्त नगर वासी बालोद के द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन में सपरिवार शामिल होकर भारतीय संस्कृति के, ध्वज वाहक बनने का सौभाग्य प्राप्त करें। कल दल्ली राजहरा के संपूर्ण 27 वार्डों में रथ का भ्रमण किया जाएगा। कार्यक्रम 08.12.2025, दिन सोमवार प्रातः 10 बजे भव्य मंगल कलश, शोभायात्रा, सांय 3 बजे - युग संगीत एवं प्रज्ञा पुराण शांतिकुंज हरिद्वार प्रतिनिधियों द्वारा। 09.12.2025, दिन मंगलवार प्रातः 6:30 बजे ध्यान साधना एवं प्रज्ञायोग। प्रातः 9:00 बजे देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ, दोपहर 01:00 बजे युवा एवं नारी जागरण। दोपहर 03:00 बजे युगल गीत एवं प्रज्ञा पुराण शांतिकुंज प्रतिनिधियों द्वारा। 10.12.2025, दिन बुधवार प्रातः 6:30 बजे ध्यान साधना एवं प्रज्ञायोग प्रातः 9:00 बजे गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार दोपहर 12:00 आदर्श विवाह दोपहर 02:00 डॉ. चिन्मय पण्ड्या प्रति कुलपति देव संस्कृति, 11 दिसम्बर, दिन गुरुवार विश्व विद्यालय शांतिकुज हरिद्वार द्वारा उदबोधन एवं दीप महायज्ञ प्रातः 6:30 बजे ध्यान साधना एवं प्रज्ञायोग प्रातः 9:00 बजे से गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार, पूर्णाहुति टोली बिदाई एवं महाप्रसादी। आयोजन में दीक्षा संस्कार, पुंसवन संस्कार आदि संस्कार निःशुल्क कराये जायेंगे। इसके लिए जिला संयोजक जिला उपसंयोजक ब्लॉक संयोजक बालोद, गुरुर, डौंडी लोहारा डौंडी एवं गुंडरदेही से संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु तैयारी बैठक संपन्न

बेमेतरा। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारी को लेकर कलेक्टर रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया, व्यवस्थाओं और आवश्यक प्रशिक्षण की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि इस वर्ष धान खरीदी 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक की जाएगी। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी सहकारी समितियों में व्यवस्थाएँ समयपूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों में साफ-सफाई, पानी, छाया, बैठने की व्यवस्था, तौल मशीन, बोरा उपलब्धता और परिवहन की पूर्व तैयारी के निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि किसानों के पंजीयन की स्थिति का पुनः परीक्षण किया जाए, ताकि कोई पात्र किसान वंचित न रहे। डेटा एंट्री ऑपरेटर्स को धान खरीदी पोर्टल पर समय पर एवं सटीक डाटा प्रविष्टि के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण में वास्तविक सॉफ्टवेयर, मानक स्टैकिंग प्रणाली, टोकन व्यवस्था, बायोमेट्रिक आधारित खरीदी प्रक्रिया एवं नॉमिनी निर्धारण जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि पारदर्शिता और सुचारू प्रक्रिया के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली को सख्ती से लागू किया जाए। किसानों को टोकन के माध्यम से खरीदी का दिन और समय सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे भीड़भाड़ की स्थिति न बने। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान उपार्जन केंद्रों की भौतिक जांच एवं आवश्यक मरम्मत कार्य 5 नवम्बर तक पूर्ण कर लिए जाएं। परिवहन व्यवस्था, गोदाम क्षमता एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, सहकारी संस्थाओं के प्रबंधक, मार्कफेड अधिकारी, जिला को-ऑपरेटिव बैंक अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर शर्मा ने अंत में कहा कि ÷धान खरीदी प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है।

रिकार्डिंग डॉस संस्था स्वर माला की प्रस्तुति आज

डोंगरगांव नगर। स्थानीय वार्ड 13 मटिया में माता लक्ष्मी युवा संगठन के द्वारा आयोजित लक्ष्मीपूजा महोत्सव के अंतर्गत सोमवार को रात्रि 9 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई है। इस मौके पर पुकेश ठाकुर कृत स्वर माला रिकार्डिंग डांस संस्था कुसुमटोला डौंडी की प्रस्तुति होगी। आयोजन समिति द्वारा नागरिकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की गई है।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी स्कूल के शिक्षकों को निकालना बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ : आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा के द्वारा अवकाश दिवस रविवार के दिन शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बुलाकर जिस प्रकार से उन्हें सेवा से पृथक किए जाने या सेवा समाप्त किए जाने का नोटिस दिया गया है जिसमें जिला खनिज न्यास मद में पैसा ना होने से वेतन न दिए जा सकने का बहाना बनाया जा रहा है यह पूरी तरह जिला खनिज न्यास मद में बंदरबांट करने के लिए किया जा रहा है ये भाजपा सरकार और बेमेतरा में भाजपा के जनप्रतिनिधियों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को दिखाता है कांग्रेस की भूपेश सरकार ने प्रदेश के गरीब और मध्यम वर्गी परिवारों के बच्चों के लिए जो उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की स्थापना की है उनके शिक्षकों को एक-एक करके इस तरह से पैसों का बहाना बनाकर सेवा समाप्त करना न केवल बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है साथ ही साथ शिक्षकों के भविष्य के साथ भी ना इंसाफी है बिना शिक्षकों के स्कूल आखिर चलेगा कैसे जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण अंचलों के बच्चों को क्या उत्कृष्ट विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार नहीं है क्या उन बच्चों को यह अधिकार नहीं है कि वह भी प्राइवेट स्कूल के बच्चों की तरह अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा ले सकें लेकिन यह सब भाजपा के लोग बर्दाश्त नहीं कर सकते शिक्षकों को निकल जाने का यह कदम न केवल बच्चों के साथ बल्कि उन शिक्षकों के भविष्य पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है जिन्होंने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष इस स्कूल में बच्चों को शिक्षा देकर बिताया है। उनके समक्ष जीवन संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष स्कूल में देने के बाद वे काम के लिए कहां जाएं उनके परिवारों का क्या होगा। कई शिक्षक तो ऐसे भी है जिनके वेतन से ही उनके परिवार का भरण पोषण होता है किंतु आम आदमी की समस्या से भाजपाइयों को कोई लेना-देना नहीं है। जिस तरह से जिले के खनिज न्यास मद का दुरुपयोग भाजपा शासन में किया जा रहा है, वह इससे पहले कभी नहीं हुआ। खनिज न्यास मद का उपयोग जनहित के कार्यों में किया जाना था जिसमें मुख्य रूप से शिक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है किंतु राज्य की भाजपा सरकार नहीं चाहती कि राज्य के लोग अच्छी शिक्षा प्राप्त करें। राज्य की भाजपा सरकार प्राइवेट स्कूलों को बढ़ाने के लिए शासकीय स्कूलों की बलि देने में लगी हुई है। यही कारण है की भूपेश बघेल सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए उत्कृष्ट अंग्रेजी मध्य विद्यालयों को बंद करने और तबाह करने के लिए इस तरह से पैसों का हवाला देकर स्कूलों को शिक्षकों से वंचित किया जा रहा है। बिना शिक्षकों के स्कूल कैसे चलाएगी सरकार यह भाजपाई ही बता पाएंगे। ग्रामीण अंचलों में पूरी तरह से शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने पर तुली हुई है यह सरकार।

सेक्टर 9 हनुमान मंदिर की 160वीं वर्षगांठ पर 'राम राग - भजन जैमिंग इवनिंग' का सफल आयोजन

भिलाई। भिलाई स्थित ऐतिहासिक सेक्टर 9 हनुमान मंदिर ने इस वर्ष अपनी 160वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस पावन अवसर पर एक अनोखा कार्यक्रम – राम राग ङ्क भजन जैमिंग इवनिंग – का आयोजन किया गया, जिसने युवाओं और समाज के सभी वर्गों को एक साथ भक्ति और संगीत के सुरों में जोड़ दिया।

यह आयोजन 25 अक्टूबर 2025 (शनिवार) की शाम मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ, जिसमें भक्ति और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस कार्यक्रम का आयोजन विनय खंडेलवाल, अध्यक्ष - खंडेलवाल युवा मंच, दुर्ग द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में लक्की अग्रवाल, शिवम सेन और किरन जी ने भजनों की अगुवाई की और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से वातावरण को भक्ति और ऊर्जा से भर दिया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में शुभम शर्मा, कपिल, राधा,आदित्य, गौरव खंडेलवाल,शुभम गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संपन्न कराने में सहयोग दिया।

राम राग का उद्देश्य युवाओं को संगीत और भक्ति के माध्यम से एकजुट करना है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सकारात्मक और आध्यात्मिक समुदाय बनाने की पहल है,

– विनय खंडेलवाल, अध्यक्ष, खंडेलवाल युवा मंच, दुर्ग

कार्यक्रम के अंत में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ और प्रसाद वितरण हुआ।

राम राग ङ्क भजन जैमिंग इवनिंग ने यह सिद्ध किया कि जब युवा भक्ति के सुरों में मिलते हैं, तो एक नई और सुंदर वाइब जन्म लेती है।

एग्री स्टेक पोर्टल में पंजीयन की अनिवार्यता समाप्त की जाए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी के लिए किसानों का एग्री स्टेट पोर्टल पर पंजीकरण की अनिवार्यता पर सवाल उठाते हुए कहा है कि विष्णु देव साय की भाजपा सरकार की नियत सही नहीं है प्रदेश के किसानों के धान खरीदना नहीं चाहती है यही कारण है कि किसानों को इस तरह परेशान किया जा रहा है एग्री स्टेट पोर्टल किसानों के आधार कार्ड से लिंक होगा जबकि आधार कार्ड से संबंधित पोर्टल में आए दिन समस्या उत्पन्न होने के कारण पंजीकरण के लिए अनिवार्य जिसके बिना एग्री स्टेट पोर्टल नहीं खुलता पंजीयन के समय प्राप्त होने वाले ओटीपी जो समय पर प्राप्त नहीं होता है की समस्या के कारण एग्रीटेक स्टेट पोर्टल पर किसानों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है। साथ ही अन्य भी तकनीकी समस्याओं का सामना किसानों को करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल लोगों की समस्या बहुत बड़ी समस्या है मोबाइल सिगनल बराबर नहीं मिल रहा है, ऐसे में किसान कैसे ऑनलाइन अपना पंजीयन कराएं।

अक्टूबर माह में अकेले बेमेतरा जिले में ही लगभग 30000 से अधिक किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया था। सरकार द्वारा जो डेड लाइन निश्चित की गई है उसके अनुसार अगर किसी किसान का एग्री स्टेक पोर्टल पर पंजीयन नहीं होता है तो उसके धान की खरीदी नहीं की जाएगी। यह कहीं ना कहीं प्रदेश के भाजपा सरकार के धान खरीदी से बचने का एक बहाना है। भाजपा सरकार आम जनता को लूटने में लगी हुई है वर्ष 2023 से अब तक प्रदेश में धान खरीदी की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की गई है, जो कहीं ना कहीं किसानों के साथ धोखा है। भाजपा के लोग पूरे प्रदेश को लूटने में लगे हुए हैं वैसे भी भाजपा किसानों की हितैसी नहीं है। भाजपा पूंजीपतियों की पार्टी है, पूरे प्रदेश में भाजपाई प्रदेश को लूटने के कामों में व्यस्त है उन्हें किसानों से कोई लेना-देना नहीं है, वैसे भी इस बार किसानों ने पानी की समस्या खाद की समस्या यूरिया की समस्या डीएपी की समस्या और सबसे महत्वपूर्ण बिजली की समस्या से लगातार सामना किया है। किसानों के लागत मूल्य में बहुत अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है और जिस तरह प्रदेश की सरकार पुरानी कीमत पर धान की खरीदी करने जा रही है वह कहीं ना कहीं किसानों के हित में कुठाराघात है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने मांग की है कि प्रदेश में धान खरीदी के लिए एग्री स्टेट पोर्टल पर पंजीयन के अनिवार्यता को समाप्त किया जाए पूर्व में जिस तरह राज्य स्तर पर पंजीयन किया जाकर किसने की धान खरीदी की जा रही थी जिसमें किसान कभी परेशान नहीं हुआ, वही व्यवस्था पूर्ववत लागू की जाए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com